दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा
Since : 2004
कदम बढ़ाये, सच के साथ
वर्ष : 12 | अंक : 215 टोंक | शुक्रवार,11 अप्रैल, 2025 | चैत्र, शुक्ल पक्ष चतुर्दशी संवत्-2082 | भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | RNI NO. RAJHIN/2013/52026 | मूल्य : ₹ 4.00 | पृष्ठ : 08
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

सवाईमाधोपुर में ग्रामीण क्षेत्रों में तय किए पांच मार्ग

एक दशक बाद फिर से जिले के ग्रामीण अंचलों में दौड़ेंगी रोडवेज

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। प्रदेश सहित जिले के ग्रामीण अंचल के लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। उनको करीब एक दशक के लंबे इंतजार के बाद परिवहन सेवा मिल सकेगी। सवाईमाधोपुर रोडवेज प्रबंधन ने पांच प्रमुख ग्रामीण मार्गों पर बसों का संचालन करने का निर्णय किया है। नई बसों का संचालन निजी बस संचालकों के अनुबंध पर किया जाएगा। लेकिन ये बसें राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) के लोगों के साथ संचालित होगी और रोडवेज बस स्टैण्ड से ही चलेगी। इन बसों का पूरा नियंत्रण रोडवेज प्रबंधन के अधीन रहेगा। इससे यात्रियों को निश्चित किराया, रियायतें और बेहतर सेवा मिल सकेगी। विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को

रोडवेज बसों की तरह ही किराए में छूट दी जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्र में सुगम होगा आवागमन : जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 तक रोडवेज की मिनी बसें इन रूटों पर चलती थी, लेकिन नई बसों की खरीद नहीं होने और पुरानी बसों के ब्रेकडाउन होने से धीरे-धीरे इनका संचालन बंद कर दिया था। अब एक बार फिर से इन रूटों पर बसें दौड़ने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में आसानी होगी।

इनके बाद जिले के अन्य ग्रामीण रूटों पर भी बस चलाने के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। इन रूटों पर चल रही निजी बसों के संचालकों की ओर से मनमर्जी करने पर भी लगाम कसेगी।

लिए जा रहे आवेदन, एक के बाद खुलेंगे टेंडर : बसों के संचालन के लिए निजी बस संचालकों से अनुबंध किया जाएगा। रोडवेज प्रशासन इन बस संचालकों को किराए में छूट की भरपाई के रूप में 15 प्रतिशत का भुगतान करेगा। अनुबंध पर बसें लेने के लिए एक अप्रेल तक ऑनलाइन आवेदन लिए जा रहे हैं। इसके बाद टेंडर खोलकर इनका संचालन शुरू किया जाएगा।

यह है प्रस्तावित मार्ग : भगवतगढ़ से सवाईमाधोपुर- लोरवाड़ा, जटवाड़ा कलां, सुनारी, सूरवाल, करमोदा व सवाईमाधोपुर।

सवाईमाधोपुर से बामनवास- शेरपुर,रावल, कुंडेरा, श्यामपुरा मोड, हिंगोनी, ओलवाड़ा, मलारना स्टेशन, पिलवा नदी मोड, दोनायचा, मलारना डूंगर, बहतेड़, बाटोदा, सांचोली, बरनाला, सुन्दरी, फुलवाड़ा, बिछोछ, चांदनहोली, ककराला, लिवाली, बामनवास।

बामनबड़ौदा से सवाईमाधोपुर- खूटला, गंगापुरसिटी, सलेमपुर, उमरी, अमरगढ़, बूचौलाई, कुनकटाकलां, तलावड़ा, हीरापुर, मसावता, रानेटा, जीरोता, गोरधानपुरा, कुशालसिंह, एकट, भूरी पहाड़ी, एण्डा, श्यामपुरा मोड, कुंडेरा, रावल, शेरपुर, गणेशधाम, सवाईमाधोपुर।

सवाईमाधोपुर से सांकड़ा वाया बौंली- करमोदा, सूरवाल, मेनपुरा, अजनोटी, दुब्बी बनास, भाड़ौती, खिरनी, बौंली, खिरनी, रसेल, मलारना डूंगर मोड, बिछिदोना, मकसूदनपुरा, मलारना स्टेशन व सांकड़ा।

नायपुर से कुरेडी : तलावड़ा, गोठबिहारी, खंडा, गणेश नगर, मेई, राइखेड़ा, फरिया, बहरावंडा खुर्द, अल्लापुर,छाण, जैतपुर, बोदल कुशालीदर्रा, सवाईमाधोपुर, बरनावदा, क्यारदा कला, बिचपुरी गुजरान, बोलर व कुरेडी।

सवाईमाधोपुर रोडवेज डिपो से संचालित कुल बसें - 36

ग्रामीण अंचलों में 17 या इससे अधिक सीट की डीलक्स बसों का संचालन किया जाना प्रस्तावित है। इनका पंजीयन 1 अक्टूबर 2021 के बाद होना जरूरी है।

इनका कहना

जिले में पांच ग्रामीण मार्गों पर अनुबंधित बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। इनका नियंत्रण रोडवेज प्रबंधन के अधीन रहेगा। इन दिनों बस मालिकों से एक अप्रेल तक आवेदन लिए जा रहे है। इसके बाद टेंडर खोले जाएंगे और बसों का संचालन शुरू किया जाएगा।

पीयूष जैन, मुख्य प्रबंधक, रोडवेज डिपो, सवाईमाधोपुर

हीटवेव को लेकर जिला प्रशासन सतर्क आमजन के लिए एडवाइजरी जारी

'सावधानी रखें, सुरक्षित रहे' : जिला कलेक्टर शुभम चौधरी

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिले में लगातार बढ़ते तापमान और संभावित हीटवेव के खतरे को देखते हुए आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा आमजन की सुरक्षा हेतु एडवाइजरी जारी की गई है। जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने नागरिकों से अपील की है कि गर्मी से बचाव के लिए सावधानी बरतें और एडवाइजरी का पालन करें। उन्होंने बताया कि पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ओआरएस, लस्सी, नींबू पानी, छाछ जैसे घरेलू पेयों का सेवन करें और खुद को हाइड्रेट रखें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें और बाहर निकलते समय सिर को कपड़े, टोपी या छतरी से ढकें। आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मे और त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन का उपयोग करें।

लू के लक्षण एवं उपचार- जिला कलक्टर ने बताया कि लू लगने के प्रमुख लक्षणों में सिरदर्द, थकावट, अत्यधिक प्यास, जी मिचलाना, सिर चकराना और शरीर का ताप बढ़ना शामिल है। ऐसे में प्रभावित व्यक्ति को तुरंत छांव में रखें, गीले कपड़े से शरीर ठंडा करें, ओआरएस या नींबू पानी दें और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। गंभीर स्थिति में 100 नंबर पर कॉल करने की सलाह दी गई है।

श्रमिकों व पशुओं के लिए विशेष निर्देश- नियोक्ताओं से अपील की गई है कि कार्य स्थलों पर ठंडे पेयजल, छाया, प्राथमिक उपचार किट, ओआरएस व आइस पैक की व्यवस्था करें। श्रमिकों से सीधी धूप से बचने और भारी कार्य सुबह-शाम के ठंडे समय में करने का अनुरोध किया गया है। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि पशुओं को छाया में रखें, ठंडा व स्वच्छ पानी उपलब्ध कराएं और दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच उनसे कार्य न लें। शेड को पुआल या चूने से ढकें और गर्मी से राहत के लिए पानी का छिड़काव करें।

जिले में 39 नई पंचायतें बनी, अब होंगी 263

एक नई पंचायत समिति का भी होगा गठन, नई पंचायतों का गठन- घटेगी दूरी, काम होंगे आसान

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। जिले में पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायतों के पुनर्सीमांकन, पुनर्गठन एवं नवगठन करने को प्रस्ताव तैयार करने का कार्य पूरा हो चुका है। इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय होने के बाद जिले में 39 नई ग्राम पंचायतें एवं एक नई पंचायत समिति बढ़ सकती है। जिले में सोमवार देर रात जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने राजस्थानी पंचायत राज अधिनियम 1994 की धारा 101 के तहत इनके नोटिस का प्रकाशन कर 6 मई तक आमजन से आपत्तियां मांगी है। अवधि पूरी होने के बाद नई पंचायत समितियों के इन प्रस्ताव पर मुहर लगेगी। ऐसे में नई पंचायतों के गठन एवं पुरानी पंचायतों के पुनर्गठन से जहां गांवों की पंचायत मुयालयों तक दूरी घटेगी। वहीं ग्रामीणों के कार्य भी आसानी से हो सकेंगे।

पंचायत समितिवार नवीन पंचायतों की सूची

सवाईमाधोपुर - पंचायत समिति सवाईमाधोपुर में वर्तमान में 37 पंचायत हैं। यहां पांच नई ग्राम पंचायतों के गठन का प्रस्ताव है। नव गठित पंचायतों के फाइनल

होने के बाद सवाईमाधोपुर पंचायत समिति में कुल 42 पंचायत हो जाएंगी। नवीन ग्राम पंचायतों में खाटकलां, लोदीपुरा, घुड़ासी, धमूणकलां और सवाईगंज शामिल हैं। वहीं जड़ावता, गोगोर, सेलू, पढ़ाना, बाडोलास, ओलवाड़ा, ऐण्डा, छारोदा, शेरपुर, हिमतपुरा, खटूपुरा, दोंदरी, आटूनकलां, रामडी, गभीरा, जीनापुर का पुनर्गठन होना है।

खंडार - पंचायत समिति खंडार में वर्तमान में कुल 31 ग्राम पंचायतें हैं। नवीन प्रस्ताव के बाद यहां 6 नई ग्राम पंचायतें बनेंगी और 37 ग्राम पंचायतें हो जाएंगी।

चौथकाबरवाड़ा - इस पंचायत समिति में वर्तमान में 23 ग्राम पंचायतें हैं। नए प्रस्ताव के तहत यहां चार नई ग्राम पंचायतों के गठन का प्रस्ताव है। इनमें ऐंचेर, बगीना, कुहारिया, जुवाड़ ग्राम पंचायतें हैं। इनके गठन के बाद यहां कुल 27 ग्राम पंचायतें हो जाएंगी।

बौंली पंचायत समिति - बौंली में वर्तमान में 24 ग्राम पंचायत हैं। नए प्रस्ताव के बाद यहां 31 ग्राम पंचायतें हो जाएगी। यहां सात नई ग्राम पंचायतों का गठन होगा।

मलारना डूंगर - इस पंचायत समिति में वर्तमान में 27 ग्राम पंचायत हैं। नए प्रस्ताव के बाद 2 पंचायतें और बढ़ेगी। इनमें माणोली और दिवाड़ा को मिलाकर कुल 29 ग्राम पंचायत हो जाएंगी। वहीं पुनर्गठन के तहत नीमोद, करेल, फलसावटा, शेषा, तारनपुर, कुण्डली नदी, भूखा, बिच्छीदोना, दोनायचा, भाड़ौती, भारजा नदी ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

बामनवास - पंचायत समिति बामनवास में वर्तमान में 39 ग्राम पंचायतें हैं। यहां आठ नई ग्राम पंचायतों का गठन होना है। इनमें गुर्जर कोलेता, सराय, नागतलाई, सिरसाली, पलासोद, भावड़, महरावण्ड और बैरखण्डी है।

गंगापुरसिटी - पंचायत समिति गंगापुरसिटी में से नई पंचायत समिति वजीरपुर के गठन का प्रस्ताव है। गंगापुरसिटी में पहले 43 ग्राम पंचायतें थी। अब वजीरपुर अलग होने एवं गंगापुरसिटी का पुनर्गठन होने के बाद यहां कुल ग्राम पंचायत 26 होंगी।

वजीरपुर

पंचायतसमिति गंगापुरसिटी से अलग कर बनाई जा रही इस पंचायत समिति में कुल 24 ग्राम पंचायत होंगी। इनमें मोहचा का पुरा, कुंसाय, शेखपुर और कमालपुर सहित कुल चार नई ग्राम पंचायत बननी हैं।

भाजपा स्थापना दिवस पर बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा (नि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर नटवाड़ा मंडल की ओर से बस स्टैंड परिसर में कार्यक्रम हुआ। इसमें बूथ चले अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पार्टी की विचारधारा, संगठन की एकता और सेवा भाव पर जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं ने पार्टी की जड़ें बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। मंडल अध्यक्ष बद्री विजय ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां एक बूथ अध्यक्ष भी मेहनत से प्रदेश या राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताया। कहा कि भाजपा सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है।

इस अवसर पर तेजभंवर सिंह राठौड़, गुड्डू शर्मा, श्याम जोशी, मुकेश कीर, रामजी झामरेल, सांवरा जोशी, रामजी लाल बोकण, भगवान जाट, शंकर जांगिड़, शंकर मोठिया और पवन जोशी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीजी की निकली शोभायात्रा

भगवान महावीर के जयकारो से गूंजा शहर

जुलुस में शामिल समाजबंधुओं का हुआ कई स्थानो पर स्वागत

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। सकल जैन समाज व भगवान महावीर जन्मोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में गुरूवार को भगवान महावीर की जयन्ती पर विशाल एवं भव्य जुलुस निकाला गया। जैन मौहल्ला स्थित श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मन्दिर में श्रीजी को रथ में विराजमान कर बेण्डबाजो व महिला बेण्डवादको के दल के साथ जुलुस रवाना हुआ। श्रीजी की शोभायात्रा का यह जुलुस शहर के सभी मुख्य बाजारो व मार्गो से होकर व्यास सर्किल होते हुए जयपुर रोड स्थित पाण्डुकशिला मन्दिर

पहुंचा। जुलुस में शामिल समाजबंधुओं ने समूचे शहर को भगवान महावीर के जयकारो से गूंजायमान कर शहर को महावीरमय किया। जुलुस का सुभाष सर्किल पर रेखा देवी मेमोरियल संस्थान की ओर से एडवोकेट रविकुमार जेन, डॉ. राकेश जैन, डॉ. आस्था जैन, डॉ. अकिंत जैन सहित संस्थान के अन्य लोगो ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यहीं पर अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश विजय के नेतृत्व में वैश्य समाज सरंक्षक एडवोकेट राजकुमार जैन, सरावगी समाज अध्यक्ष डॉ. राकेश जैन, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष जिनेन्द्र मेन्दवास्या, नरेन्द्र जैन नीटू, प्रकाशचन्द पाटनी, पवन सुराशाही, सुमेर बड़जात्या का जोरदार स्वागत किया गया।

वैश्य महासम्मेलन की ओर से स्वागत के दौरान ब्लाक अध्यक्ष सुरेश विजय के अलावा माहेश्वरी समाज अध्यक्ष अमित झंवर,महावीर सुराशाही, रतनलाल राणोलीवाले, त्रिलोक क्याल, युवा अध्यक्ष केदार गुप्ता, अमृतचन्द जैन, डॉ. अनिल परतानी, बृजमोहन खण्डेलवाल, विजयवर्गीय समाज की स्थानीय सभा के कैलाश विजयवर्गीय अजमेरी वाले, अरूण काबरा सहित अन्य वैश्य समाज में शामिल घटक समाजो के पदाधिकारी व समाजबंधु मौजुद रहे।

अलग-अलग दो जगह पर मोटरसाइकिलों में हुई भिडंत, एक की मौत, एक घायल

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर मूडिया मोड के पास गुरुवार को सुबह करीब 7.40 बजे दो मोटरसाइकिल की टक्कर में एक जना गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की उपचार के दौरान मौत हो गई।

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि गुरुवार सुबह गांव बलूंदा थाना घाड निवासी रामनिवास पुत्र हुकमचंद रैगर अपने पुत्र रवि के साथ मोटरसाइकिल से जयपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब 7.40 बजे मूंडिया मोड के पास उनकी मोटरसाइकिल की एक अन्य मोटरसाइकिल से भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में वह गंभीर घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना पर चौकी प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और घायल को थाना मोबाइल वाहन से राजकीय सामुदायिक अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी चिंताजनक हालत होने पर चिकित्सकों ने जयपुर रेफर कर दिया। जयपुर में उपचार के दौरान उसने दम तोड दिया। पुलिस ने बताया कि अन्य मोटरसाइकिल चालक मौके से फरार हो गया। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार महावीर ढाबे के समीप दो मोटरसाईकिलों में भिडन्त हो गई। जिसमें एक व्यक्ति गभीररूप से घायल हो गया।

पंच कल्याणक महोत्सव की तैयारियां जोर शोर से

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा उपखण्ड की धार्मिक नगरी डिग्गी में नवनिर्मित जिनालय का श्री जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 19 से 24 अप्रैल तक किया जाएगाज जिसको लेकर तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। श्री मुनिसुव्रतनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति एवं सकल जैन समाज डिग्गी कें संयुक्त तत्वावधान में आचार्य

इन्द्रनन्दी जी महाराज एवं गणिनी आर्यिका विशुद्धमति माताजी के पावन सानिंध्य में प्रतिष्ठाचार्य पं. मनोज जैन के निर्देशन में विशाल एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। समारोह के अन्तर्गत 19 अप्रैल को सुबह जिनाज्ञा, गुरु आज्ञा, देव आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, जाप्या अनुष्ठान जिनाभिषेक, शांति धारा, तीर्थोंदक पूजन, विशाल शोभा यात्रा, घट यात्रा मंदिर जी से राजगिरी नगरी पहुंचेगी । जहां ध्वजारोहण, उद्घाटन, चित्र अनावरण, द्वीप प्रज्वलन, मंगल कुंभ स्थापना, मंडप में अभिषेक शांति धारा आचार्य व आर्यिका संघ के प्रवचन होंगे। दोपहर में सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा पूजन व याज्ञ मंडल विधान तथा सायंकाल महाआरती, शोभायात्रा, शास्त्र स्वाध्याय के बाद गर्भकल्याणक पूर्वार्ध की क्रिया, सौंदर्भ इन्द्र की सभा, तत्व चर्चा, सिंहासन क पायमान, धनपति कुबेर आगमन, नगरी रचना , माता की सेवा में 16 स्वप्न दर्शन के कार्यक्रम होंगे।

सम्पादकीय

ट्रंप का टैरेफ तूफान : पूरी दुनिया को झकझोरने वाली रणनीति

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अप्रैल के आरंभ में उन देशों एवं समूहों पर भारी भरकम शुल्क लगा कर पूरी दुनिया में खलबली मचा दी, जो अमेरिका से आयात कम करते हैं और उसे निर्यात ज्यादा करते हैं। इनमें चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं। ट्रंप का यह कदम उलझन में डालने वाला है और इसके नतीजे भी अबूझ हैं। महीने भर पहले मैंने कहा था, 'अगर कुछ बदलता नहीं है तो ट्रंप बहुत बड़ा खतरा हैं, जो पूरी तरह समझ भी नहीं आ रहे हैं।' मैंने तो मध्य नवंबर में ही लिख दिया था, 'यह मान लेना आत्मघाती होगा कि ट्रंप अपने वादों से पीछे हट जाएंगे और अगर उन्होंने अपने कुछ वादे भी पूरे कर दिए तो पूरी दुनिया में तूफान आ जाएगा।' जिसका डर था वह हो गया है। अर्थशास्त्री, नीति निर्धारक और कारोबार खतरनाक एवं अनिश्चित भविष्य के लिए तैयार तो हो रहे हैं मगर पहले वे ट्रंप की सनक को समझने की कोशिश कर रहे हैं। आखिर ट्रंप चाहते क्या हैं? देखते हैं कि ट्रंप के समर्थक क्या बता रहे हैं।

1. **यील्ड नीचे रखना :** अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चिंता उस पर चढ़ा 36 लाख करोड़ डॉलर कर्ज है, जिसमें से 9.2 लाख करोड़ डॉलर उसे नया कर्ज लेकर 2025 में ही चुकाने होंगे। इसका फौरी तरीका यील्ड कम रखना है, जिससे सरकार को ब्याज कम चुकाना होगा। जब महंगाई नीचे नहीं आ रही है तो ट्रंप यील्ड कम कैसे करेंगे या अमेरिकी बॉन्ड की खरीदारी कैसे बढ़ाएंगे? इसके लिए शुल्क बढ़ाने होंगे, जिससे अनिश्चितता बढ़ जाएगी। शुल्क बहुत अधिक हो जाएं तो घबराहट बढ़ जाती है और जोखिम से बचने के लिए निवेशक शेयर बेचकर अमेरिकी बॉन्ड खरीदने लगते हैं। इस तरह यील्ड नीचे आ जाती है। इसके साथ फेडरल रिजर्व ब्याज दर घटा दे तो सोने पर सुहागा ही हो जाए। इसीलिए ट्रंप शुक्रवार को फेड के संवाददाता सम्मेलन के दौरान उसके चेयरमैन जेरोम पावेल पर दरें घटाने का दबाव डाल रहे थे।
2. **घाटे में कमी :** यील्ड नीचे आने से कर्ज घटाने में कोई मदद नहीं मिलती। इसीलिए ट्रंप का दूसरा पत्ता होगा अमेरिकी बजट से 'बेजा खर्च और फर्जीवाड़ा' खत्म कर घाटा कम करना। यह काम ईलॉन मस्क की अगुआई वाले सरकारी दक्षता विभाग (डोज) को सौंप दिया गया है। डोज 6.75 लाख करोड़ डॉलर के अमेरिकी बजट में 2 लाख करोड़ डॉलर की कटौती करना चाहता है।
3. **शुल्क से कमाई :** ट्रंप की रणनीति का तीसरा पहलू राजस्व जुटाना है, जिसका तरीका उनके लिए शुल्क के अलावा कुछ नहीं है। ट्रंप गुट का कहना है कि शुल्कों से सालाना 600-700 अरब डॉलर जुटाए जा सकते हैं।
4. **भू-राजनीति :** तीसरा मकसद यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देशों को अमेरिकी व्यापार तथा निवेश के लिए फायदेमंद शर्तों पर बात के लिए मजबूर करना है क्योंकि ये देश सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते हैं। ट्रंप की टीम ने इसी वजह से सबसे पहले इन्हें निशाने पर लिया है।
5. **अमेरिका में विनिर्माण :** इस रणनीति का आखिरी दांव है निर्यातकों को अमेरिका में उत्पादन के लिए मजबूर करना। अभी यह तो नहीं पता कि इससे कितना निवेश आएगा और कितना रोजगार मिलेगा मगर अभी तक ताइवान सेमीकंडक्टर, ह्युंडै मोटर्स, एनवीडिया और ऐपल जैसी कुछ कंपनियों ने ही इसका वादा किया है।

दांव काम नहीं आए तो? अगर इसे सोची समझी रणनीति मान लें तो भी यह आंख पर पट्टी बांधकर रस्सी पर चलने जैसी जोखिम भरी है। पहली बात, शुल्क फौरन लागू हो रहे हैं और इतने ज्यादा हैं कि उनसे बढ़ी लागत महंगे उत्पादों की शक्ल में अमेरिकी उपभोक्ताओं और व्यापार को परेशान करेंगे। इससे महंगाई बढ़ सकती है और रोजगार घट सकता है।

आज का इतिहास – बढ़ता राजस्थान

11 अप्रैल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- अफ्रीकी-अमेरिकी महिलाओं के उच्च शिक्षा के लिए 1881 में स्पेलमेन कॉलेज जॉर्जिया के अटलांटा में स्थापित किया गया।
- इजरायल में तेल अवीव शहर की 1909 में स्थापना।
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की 1919 में स्थापना की गई।
- सन 1924 में पहली मैन्स कॉलेज स्विमिंग चैंपियनशिप शुरू हुई।
- ऋषिकेश में स्टील के तारों से बना लक्ष्मण झूला 1930 में जनता के लिये खोला गया।
- अमेरिका की 1945 में आर्मी जर्मनी की एल्बी नदी पर पहुंच गई थी।
- अमेरिका के राष्ट्रपति जॉनसन ने 1968 सिविल राइट एक्ट पर साइन किए।
- अमेरिका ने 1970 में चंद्रमा अभियान के लिए अपोलो 13 कार्यक्रम शुरू किया।
- अग्नि 2 मिसाइल का 1999 में परीक्षण किया गया।
- फिलीपींस की सरकार द्वारा 1999 में 'एक स्कूल गोद लो' की अनोखी घोषणा।
- भारतीय मूल की अमेरिकी लेखिका झुंपा लाहिडी को सन 2000 में उनकी पहली रचना इंटरप्रेटर ऑफ मैलेडीज़ के लिए पुलित्ज़र पुरस्कार दिया गया था।
- पाकिस्तान ने 2003 में 12वीं बार शारजाह कप जीता।
- स्वीडन में वैज्ञानिकों ने 2008 में आठ हज़ार वर्ष पुराने वृक्ष की खोज की।
- पोलैंड के राष्ट्रपति लेख काजिंस्की की 2010 में विमान दुर्घटना में मृत्यु।
- थाइलैंड की सेना और प्रदर्शनकारियों के बीच 2010 में हुई झड़पों में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई तथा 800 से ज़्यादा लोग घायल हो गए।

11 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

- भारत के महान विचारक, समाज सेवी तथा क्रान्तिकारी ज्योतिबा फुले का 1827 में जन्म हुआ।
- महात्मा गांधी जी की पत्नी कस्तूरबा गांधी का 1869 में जन्म हुआ।
- प्रसिद्ध चित्रकार जैमिनी रॉय का जन्म 1887 को हुआ।
- भारतीय गायक और अभिनेता कुन्दन लाल सहगल का जन्म 1904 को हुआ।
- भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक रामानाथन कृष्णन का जन्म 1937 को हुआ।
- भारतीय फ़िल्म अभिनेता नवीन निश्चल का जन्म 1946 को हुआ।
- थिएटर और टेलीविजन अदाकारा रोहिणी हट्टंगड़ी का 1951 में जन्म।
- भारतीय मोडल पूनम पांडे का 1991 में जन्म।

11 अप्रैल को हुए निधन

- देश की आज़ादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले युवा क्रांतिकारियों में से एक अनंत लक्ष्मण कन्हेरे का निधन 1910 को हुआ था।

जाति की जंजीरें- आज़ादी के बाद भी मानसिक गुलामी आस्था पेशाब तक पिला देती है, जाति पानी तक नहीं पीने देती।

– प्रियंका सौरभ

कैसे लोग अंधभक्ति में बाबा की पेशाब को 'प्रसाद' मानकर पी सकते हैं, लेकिन जाति के नाम पर दलित व्यक्ति के छूने मात्र से पानी अपवित्र मान लिया जाता है। इन समस्याओं की जड़ें धर्म, राजनीति, शिक्षा और मीडिया की भूमिका में छिपी हैं। शिक्षा में विवेक की कमी, मीडिया की चुप्पी, धर्मगुरुओं की मनमानी और जातिवादी मानसिकता समाज को पिछड़ेपन की ओर ढकेल रही है। यह सवाल उठाता है कि यदि आस्था किसी बाबा की पेशाब को 'पवित्र' मान सकती है, तो एक दलित का पानी 'अपवित्र' कैसे हो सकता है?

भारत, जिसे आध्यात्मिकता और विविधता का देश कहा जाता है, अपने भीतर विरोधाभासों का एक ऐसा संसार छुपाए बैठा है जो कभी-कभी चौंका देता है। एक ओर हम विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक और सांस्कृतिक परतों में आज भी मध्ययुगीन सोच जड़ें जमाए बैठी है। एक ही समाज में ऐसे दृश्य देखने को मिलते हैं जहां लोग किसी बाबा के चरणामृत को 'अमृत' मानकर पी जाते हैं, यहां तक कि गोमूत्र और गोबर को औषधि बताकर उसका सेवन करते हैं; और उसी समाज में एक दलित व्यक्ति के हाथ का पानी पीना 'पाप' मान लिया जाता है। यही वह विडंबना है जिसे इस तीखे वाक्य ने पूरी ताकत से उजागर किया है—'आस्था पेशाब तक पिला देती है, जाति पानी तक नहीं पीने देती।' यह पंक्ति महज़ एक व्यंग्य नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहराई से जमी हुई दो बड़ी बीमारियों की पहचान है—एक है अंधविश्वास में डूबी आस्था और दूसरी है जातिगत भेदभाव। दोनों ही एक हद तक इंसानियत, तर्कशक्ति और समानता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देते हैं।

आस्था- श्रद्धा और मूर्खता के बीच की पतली रेखा : आस्था किसी भी समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ होती है। यह इंसान को एक उद्देश्य देती है, उसे नैतिकता और आत्मबल प्रदान करती है। लेकिन जब यही आस्था तर्क, विज्ञान और मानवाधिकारों की सीमा लांघकर अंधश्रद्धा में बदल जाती है, तब वह खतरनाक रूप ले लेती है। भारत में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां धर्मगुरुओं ने अपने अनुयायियों को गोमूत्र पीने, मल-मूत्र का सेवन करने, या स्वयं को 'भगवान' घोषित कर देने जैसे कृत्य करवाए और लोग आंख मूंदकर उनका पालन करते रहे। एक बाबा द्वारा 'चमत्कारी जल' के नाम पर अपनी पेशाब पिलाने की खबरें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। श्रद्धालु इसे 'आशीर्वाद' मानकर पीते हैं, और मीडिया जब इन घटनाओं पर सवाल उठाती है, तो आरोप लगाया जाता है कि वह धर्म का अपमान कर रही है। यह कैसी आस्था है जो इंसान को अपनी सोच और विवेक को पूरी तरह त्यागने को विवश कर देती है? यह कैसी श्रद्धा है जो सवाल उठाने वालों को अपराधी बना देती है?

जाति- एक आधुनिक समाज में मध्यकालीन सोच

अब बात करें उस दूसरी बड़ी सामाजिक बीमारी की—जातिवाद की। भारत में जाति एक ऐसी संरचना है जो जन्म के आधार पर व्यक्ति की सामाजिक हैसियत, पेशा, अधिकार और यहां तक कि जीवन-मरण के अवसर भी तय करती है। भारतीय संविधान ने भले ही जातिवाद को गैरकानूनी घोषित कर दिया हो, लेकिन सामाजिक मानसिकता में इसकी जड़ें आज भी उतनी ही गहरी हैं। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों को मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता, उनके लिए अलग कुएं या नल होते हैं, स्कूलों में उनके बच्चों को अलग बैठाया जाता है, और उनके स्पर्श मात्र से वस्तुएं 'अपवित्र' मानी जाती हैं। हाथ से मैला उठाने जैसी अमानवीय प्रथा आज भी समाप्त नहीं हुई है। ऐसे उदाहरण रोज़ सामने आते हैं जब दलित युवक को ऊंची जाति की लड़की से प्रेम करने के लिए मार दिया जाता है, या जब किसी गांव में सिर्फ इस वजह से उनके घरों में आग लगा दी जाती है कि उन्होंने 'मर्यादा' लांघी। यह कितना त्रासद है कि वही समाज जो गोमूत्र को औषधि मान सकता है, वह एक इंसान के छूने मात्र से पानी को अपवित्र मानता है।

विरोधाभास की जड़ें

इस विरोधाभास की जड़ें कहीं और नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संरचना में छिपी हुई हैं। धर्म के नाम पर आस्था को हथियार बनाकर लोगों की सोच को नियंत्रित किया गया। धर्मग्रंथों की मनमानी व्याख्याओं के ज़रिए एक वर्ग को 'ऊंचा' और दूसरे को 'नीचा' साबित किया गया। जो सवाल उठाए, वह 'धर्म विरोधी' करार दे दिया गया।

राजनीति ने भी इस व्यवस्था को खूब पोषित किया। जातियों को वोट बैंक में बदल दिया गया। आरक्षण के नाम पर नफरत फैलाई गई, लेकिन जातिगत अत्याचार को खत्म करने के लिए न ठोस प्रयास किए गए, न इच्छाशक्ति दिखाई गई। आस्था के नाम पर जनता को भावनात्मक रूप से बांधा गया, और वैज्ञानिक सोच को 'पश्चिमी विचारधारा' बताकर नकार दिया गया।

शिक्षा और विवेक की कमी

शिक्षा वह उपकरण है जो समाज को तर्कशील और न्यायप्रिय बनाता है। लेकिन भारत की शिक्षा व्यवस्था में तर्क और मानवाधिकार की शिक्षा बहुत सीमित है। हम बच्चों को विज्ञान पढ़ाते हैं, लेकिन उनकी सोच में वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं भरते। हम उन्हें नैतिक शिक्षा देते हैं, लेकिन जातिवाद और सामाजिक न्याय के सवालों पर चुप रहते हैं। जब बच्चा स्कूल में यह देखता है कि उसके सहपाठी को 'चमार' या 'भंगी' कहा जा रहा है, जब शिक्षक ही छात्रों से जाति पूछते हैं, तो यह सोच उसकी चेतना में गहराई तक बैठ जाती है। यही बच्चा बड़ा होकर वही भेदभाव करता है, और एक बार फिर वह दुष्चक्र शुरू हो जाता है।

मीडिया और समाज का दोगलापन

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, लेकिन जब बात जातिवाद या अंधविश्वास की आती है, तो उसका रुख या तो बेहद सतही होता है या पूरी तरह से चुप्पी ओढ़ लेता है। बाबाओं के चमत्कारों को वह 'मनोरंजन' के नाम पर दिखाता है, लेकिन किसी दलित की हत्या पर सिर्फ दो मिनट की रिपोर्ट चलाकर बात खत्म कर देता है। वह जानबूझकर ऐसे मुद्दों से बचता है जो उसे किसी 'विशेष वर्ग' से नाराज़ कर सकते हैं।

वहीं समाज भी अपनी सुविधानुसार संवेदनशीलता चुनता है। गोमूत्र बेचने वाले को 'आधुनिक ऋषि' कहा जाता है, लेकिन मैनहोल की सफाई करते मजदूर की मौत पर कोई आवाज़ नहीं उठती।

क्या है समाधान?

तर्कशील शिक्षा का विस्तार- स्कूलों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय पर आधारित

घातक साबित होगा बांग्लादेश के लिए भारत का कूटनीतिक प्रहार

– हरीश शिवनानी

करीब एक पखवाड़ा पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस जब चीन जाकर उसके राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से सटे लालमोनिरहाट में अपना एयरबेस बनाने का न्यौता दिया था तो वो नहीं जानते थे कि जाने-अनजाने में कितना बड़ा दुस्साहस कर रहे हैं। इसी दुस्साहस के चलते उन्होंने डींग हांकते हुए बांग्लादेश को भारत के इन सीमांत राज्यों का 'गार्जियन' (संरक्षक) तक घोषित कर दिया था।

26-29 मार्च के बीच चीन-यात्रा के दौरान यूनुस ने बीजिंग में डींग हाँकी कि नॉर्थईस्ट यानी भारत के सात राज्य लैंडलॉक्ड हैं। उनके पास समुद्र तक पहुँचने का कोई रास्ता नहीं है। बांग्लादेश इस पूरे क्षेत्र के लिए समुद्र का एकमात्र संरक्षक है। यह चीन की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है। इस दुस्साहस भरे न्यौते से भारत का सतर्क और चिंतित होने स्वाभाविक ही था। 'सेवन सिस्टर्स' और 'चिकन नेक' के नाम से ख्यात भारत के ये सीमांत राज्य सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील हैं। बांग्लादेश का लालमोनिरहाट जिला भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बेहद करीब है। इसी कारण से भारत का चिंतित होना जायज ही है। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम का सामूहिक रूप से बांग्लादेश के साथ 1,596 किमी. लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा, चीन के साथ 1,395 किमी., म्यांमार के साथ 1,640 और भूटान के साथ 455 किमी. तथा नेपाल के साथ 97 किमी.सीमा है, लेकिन ये केवल 22 किमी की एक पट्टी के माध्यम से भारत के बाकी हिस्सों से जुड़े हैं, जिसे %चिकन नेक% कॉरिडोर कहा जाता है। यह बेहद संकरा मार्ग है। इसके दक्षिण में बांग्लादेश और उत्तर में नेपाल, भूटान और चीन हैं। करीब साठ किमी लंबा और 21 किमी चौड़ा है। चिकन नेक कॉरिडोर ही पूर्वोत्तर राज्यों को देश के अन्य हिस्से से जोड़ता है। काफ़ी संकरा होने के कारण चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान की काली नज़रें हमेशा इस पर रही हैं। अगर बांग्लादेश के ज़रिए चीन यहाँ अपनी आर्थिक या सामरिक पकड़ बनाता है तो यह भारत के लिए सुरक्षा ख़तरा बन सकता है। कुछ दिनों की खामोशी के बाद भारत ने मंगलवार आधी रात को अचानक बांग्लादेश के लिए 'ट्रांसशिपमेंट' यानी भारत के बंदरगाहों और हवाई अड्डों से कारोबार करने की सुविधा बंद कर उसकी आर्थिक रीढ़ पर जोरदार चोट पहुंचा दी है। अंतरराष्ट्रीय जगत में इसे बांग्लादेश पर भारत का बड़ा कूटनीतिक आर्थिक प्रहार माना जा रहा है। भारत ने बांग्लादेश को यह सुविधा तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ हुए 'ट्रांसशिपमेंट एग्रीमेंट' के तहत 29 जून 2020 को दी थी।

यह सर्कुलर बांग्लादेश से तीसरे देशों को निर्यात कार्गो के ट्रांसशिपमेंट की अनुमति देता था, जो भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों के रास्ते भारतीय भूमि का उपयोग करता था, ताकि भूटान, नेपाल और म्यांमार जैसे देशों को बांग्लादेश का व्यापार हो सके। आठ अप्रैल को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) पुराने सर्कुलर को रद्द कर दिया। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के प्रमुख, अजय श्रीवास्तव का कहना है कि नए सर्कुलर के साथ, ट्रांसशिपमेंट व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, बांग्लादेश को

शख्सियत – बढ़ता राजस्थान

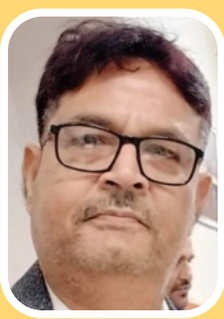

राधेश्याम शर्मा
प्रबंध संचालक सरस डेयरी

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं सवाईमाधोपुर दुग्ध संघ में प्रबंध संचालक श्री राधेश्याम शर्मा जी। इनका जन्म सितंबर 1965 को अलवर में हुआ। शिक्षा भी अलवर से ही पूर्ण हुई। स्कूल एवं कालेज शिक्षा अलवर, स्नातकोत्तर अन्नामलाई विश्वविद्यालय। अलवर डेयरी में बतौर प्रयोगशाला सहायक 1986 में लगे। कालांतर में पदोन्नति उपरांत अलवर में 21 फ़रवरी से 12 मार्च 2024 तक प्रबंध संचालक के पद पर रहे और डेयरी प्रोडेक्टस पर गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए सरस डेयरी के उत्पादों को जनता के बीच एक विश्वास के साथ पहुँचाने का अनुपम व सराहनीय प्रयास किया। तथा मार्च 2024 से अक्टूबर 2024तक भरतपुर दुग्ध संघ में प्रबंध संचालक के पद रहे। तथा अक्टूबर 2024 से आज दिनांक तक सवाईमाधोपुर दुग्ध संघ में प्रबंध संचालक के पद को सुशोभित किया हुआ है। संस्कार और धार्मिक गतिविधियों की तरफ रूझान शुरू से ही रहा। मेरे बड़े भाई समान हैं इसलिए तकरीबन तीन दशकों से इन्हें व्यवारिक रूप से काफी परिचित हूं।

मैं ज्यादा तो नहीं कह रहा हूं लेकिन मैनें इन्हें खाटूश्याम जी की पद यात्रा पर इन्हे अकेले जाते हुए देखा है। आज तो खाटूश्याम जी के अरबो भक्त हैं लेकिन ये उस समय के उनके भक्त हैं जब इन्होंने अकेले ही पदयात्रा की थी। पदयात्रा के दौरान इनकी माताजी की आँखे भी नम हो गई मुझे आज भी ध्यान है। उसके बाद स्वर्ग रोड पर चिन्ताहरण महादेव मंदिर में 2002 में श्री खाटूश्यामजी की शीश स्थापना का सौभाग्य परमपिता परमात्मा और बुजुर्गो के आशीर्वाद से प्राप्त हुआ इनकी सेवानिवृति में अब मात्र 5 माह शेष है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इन्हें हमेशा स्वस्थ और सरल व ऐसे ही सहज बनाए रखें। दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

रूपक शर्मा

2025_095 a – बढ़ता राजस्थान

Ans_2025_094

Suduko

9	6					5	8	2
8	2		4			7		
1						3		4
		1	8		6			
	8	7		2			4	3
5	4			7		6		8
4					7	2	3	6
7			3	6			1	9
3		6	2	1		8	7	5

8	1	4	9	3	7	6	2	5
2	3	9	6	5	1	8	4	7
5	7	6	2	4	8	3	9	1
1	9	5	7	8	3	2	6	4
4	6	3	1	2	9	5	7	8
7	8	2	5	6	4	9	1	3
6	2	8	4	7	5	1	3	9
3	4	1	8	9	6	7	5	2
9	5	7	3	1	2	4	8	6

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारस्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें सताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

स्वजनों एवं परिजनों के साथ विवाद हो सकता है। आज कोई नया काम शुरू ना करें। आय की अपेक्षा खर्च अधिक होगा और ज्यादा परिश्रम के बाद ही सफलता मिलेगी। आज आपका दिन बहुत लाभदायी है।

वृष

हेल्थ का ध्यान रखने और खासकर बाहर के खाने-पीने से परहेज करने की सलाह आपको दी जाती है। आज आपमें क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी, इसलिए वाणी में गुस्सा ना रखें। परिजनों से उग्र चर्चा के कारण मनमुटाव न हो।

मिथुन

नौकरी में आपके अधिकारी खुश रहेंगे। आपकी पदोन्नति के योग हैं। अधिकारियों के साथ किसी महत्वपूर्ण बात पर चर्चा होगा। परिजनों के साथ खुले मन से बातचीत होगी। घर के डेकोरेशन पर कुछ खर्च हो सकता है।

कर्क

बाहर जाना हो सकता है। माता के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। सरकारी लाभ होगा एवं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। पहले से निर्धारित काम के लिए आपका प्रयास ज्यादा रहेगा। दुर्घटना हो सकती है, सावधान रहें।

सिंह

आपका शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य अच्छा रहेगा। जरूरी कामों पर धन खर्च होगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। दफ्तर में सहकर्मियों का अच्छा साथ मिलेगा। मित्रों से मुलाकात होगी।

कन्या

अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलने के योग हैं। धन प्राप्ति के अवसर मिलेंगे। मित्रों से अचानक हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी। मित्रों से लाभ होगा। आज आपको अच्छा खाना नसीब होगा। मित्रों से लाभ होगा। महिलाओं के मायके से समाचार आने के योग हैं।

तुला

आप तन-मन से स्वस्थ होकर कई तरह के काम आसानी से पूरे कर पाएंगे। सफलता मिलने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी। आज भाग्य आपका साथ देगा। इनकम बढ़ेगी। परिजनों के साथ आनंद एवं उल्लास से समय गुजरेगा।

वृश्चिक

संतान पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों से आपको लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। आप आज हर काम सरलता से पूरे कर पाएंगे।

धनु

माता से लाभ होने के संकेत आपको मिल रहे हैं। मित्र और संबंधियों से घर का वातावरण अच्छा रहेगा। आज अचानक होने वाली घटनाओं से आप चिंतित रहेंगे। स्वास्थ्य खराब होने और आंखों में दर्द होने की आशंका बनी रहेगी।

मकर

मित्र एवं प्रियजन आपके प्रवास को आनंद से भर देंगे। नए वस्त्रों की खरीदी के योग हैं। तन-मन की तंदुरस्ती अच्छी रहेगी। अच्छे भोजन एवं वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज आप के घर में सुख शांति और आनंद का माहौल रहेगा।

कुंभ

आज धन का व्यय अधिक होगा। आज नियम विरुद्ध कामों से दूर रहें। आज आपका दिन आनंद-प्रमोद में गुजरेगा। रोमांस के लिए आज का दिन अच्छा है और किसी खास व्यक्ति का साथ आपको आनंद देगा।

मीन

आज आपके धार्मिक एवं मांगलिक कामों में व्यस्त रहने की संभावना ज्यादा रहेगी। आप में आज क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी, इसलिए आप सावधान ही रहें। संतान एवं व्यापार की परेशानियों के कारण आपका मन अशांत रहेगा। धन लाभ होगा।

पीडब्ल्यूडी अधिशाषी अभियंता के जयपुर और दौसा सहित पांच ठिकानों पर एसीबी ने मारी रेड

- एसीबी टीम को रेड में मिली करोड़ों की प्रॉपर्टी, टीम ने किए दस्तावेज, पासबुक, प्रॉपर्टी डील, डिजिटल डेटा आदि जब्त
- अधिशाषी अभियंता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की मिली थी शिकायत, पूछताछ में और भी कई खुलासे होने की आशंका

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशाषी अभियंता (एक्सईएन) हरिप्रसाद मीणा के जयपुर और दौसा सहित पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। एसीबी के मुताबिक मीणा पर आय से लगभग दो सौ प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। टीम ने कई दस्तावेज, पासबुक, प्रॉपर्टी डील, डिजिटल डेटा आदि को जब्त किया है। पुलिस महानिदेशक एसीबी रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड दूदू जिला जयपुर में पोस्टेड एक्सईएन हरिप्रसाद मीणा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी। जिस पर गुरूवार की सुबह एक्सईएन के 5-6 ठिकानों सर्च किया जा रहा है। इनमें दूदू के गांव बगड़ी और जगतपुरा में उसके घर सहित ऑफिस में भी एसीबी के अधिकारी सर्च कर रहे है। एसीबी की प्रारंभिक जांच में हरिप्रसाद मीणा के पास कई बेनामी संपत्तियां और लग्जरी सुविधाएं सामने आई हैं। दो ऑडी कारें, एक स्कॉर्पियो, फोर्ड एंडेवर एसयूपी और रॉयल एनफील्ड बाइक, यूनिक एम्पोरिया और यूनिक न्यू टाउन अपार्टमेंट्स में

तीन महंगे फ्लैट, दौसा के बगड़ी गांव में एक फार्म हाउस, विदेश यात्राओं और लग्जरी होटलों में ठहरने का भी ब्यौरा मिला है। इसके अलावा 19 बैंकों में खाते हैं। जिनमें करोड़ों के लेनदेन की जानकारी भी सामने आई है। साथ ही बैंकों से लिए भारी लोन को भी कम समय में चुकाने की जानकारी सामने आई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र कुमार ने बताया कि सर्च में एक्सईएन के यहां कई एग्रीकल्चर जमीनों के भी दस्तावेज भी मिले हैं। मीणा ने विदेश यात्राओं और महंगी होटलों में रुकने में करीब 45 लाख रुपए भी खर्च किए हैं। साथ ही एक्सईएन ने जयपुर के अलावा दौसा में भी जमीनों में इन्वेस्ट किया है। उसने लालसोट में एक लग्जरी फार्म हाउस भी बना रखा है। आरोपी और परिवारजनों के करीब 19 बैंकों में खाते हैं जिन से करोड़ों का लेनदेन हुआ है। एक्सईएन ने सरकारी नौकरी में आने से अब तक करीब चार करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी जमा की है। जो कि जो कि उनकी आय से करीब 200 प्रतिशत अधिक है। फिलहाल आरोपी एक्सईएन से उसके जगतपुरा स्थित घर पर पूछताछ की जा रही है और पूछताछ में और भी कई खुलासे हो सकते हैं। कुमार ने बताया कि आरोपित हरिप्रसाद मीणा की आय, पद और उनके द्वारा अर्जित संपत्तियों के बीच बड़ा असंतुलन है। सभी दस्तावेजों की जांच जारी है। बहुत जल्द आय से अधिक संपत्ति का पूरा मूल्यांकन कर केस दर्ज किया जाएगा। यदि जांच में संपत्तियों की पुष्टि होती है और स्रोतों का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता तो एसीबी जल्द ही मीणा की गिरफ्तारी कर सकती है।

अखिल राजस्थान राज्य वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारी संघ का प्रदेश स्तरीय अधिवेशन जोधपुर में संपन्न

रातानाडा स्थित ड्राइवर की प्याऊ को अतिकर्मियों से मुक्त करवाने की उठाई मांग

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। दिनांक 10 अप्रैल 2025 को अखिल राजस्थान राज्य वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारी संघ का प्रदेश स्तरीय अधिवेशन का आयोजन होटल आरटीडीसी घूमर, जोधपुर में संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजयवीर सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि श्री जोगाराम जी पटेल संसदीय सचिव विधि एवं न्याय मंत्री, श्री गजेंद्र सिंह राठौड़ प्रदेश अध्यक्ष महासंघ एकीकृत की गरिमामयी उपस्थिति रही। अधिवेशन में वाहन चालकों की पदोन्नति, हार्ड ड्यूटी एलाउंस, ओवर टाइम, राजकीय वाहन का थर्ड पार्टी बीमा के साथ ही रातानाडा स्थित ड्राइवरों की प्याऊ जो की जोधपुर स्टेट द्वारा वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारियों के हितों के लिए आवंटित की गई थी पर कुछ कब्जाधारियों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर लिया गया है जिस पर प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है को मुक्त करने की मांग उठी। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने उपरोक्त मांगों के समर्थन के साथ ही नवीन भर्तियों में पूर्व से ही राजकीय विभागों में कार्यरत संविदा एवं ठेका कर्मियों को बोनस अंक दिए जाने की मांग उठाई। माननीय मंत्री श्री जोगाराम जी पटेल ने वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारियों की समस्याओं के जल्द निराकरण हेतु आश्वस्त किया। इस अवसर पर जोधपुर संभाग के अध्यक्ष श्री बजरंग लाल जी गुर्जर तथा जिला अध्यक्ष श्री विशन सिंह द्वारा पूर्व में सेवानिवृत हुए वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारियों का सर्टिफिकेट देकर एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया तथा पूरे प्रदेश से पधारे पदाधिकारीयो का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर सतपाल सिंह, अजीत सिंह उदयपुर, बंशीलाल प्रजापत, गोपाल सिंह कोटा, मुन्ना खान , विजय सिंह जयपुर, पवन शर्मा अजमेर, सुरेंद्र सिंह फौजी बीकानेर, तुलसीराम जी पाली, पदमा दान जी बाड़मेर, मोहन राम मेघवाल महामंत्री, चेतन शर्मा, धर्मेंद्र सांखला संरक्षक, पन्ने सिंह, राजू राम विश्नोई, श्री राम विश्नोई, रामरत्न विश्नोई, भँवर सिंह, नेन सिंह, मांगीलाल विश्नोई सहित अनेक वाहन चालक और तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

खुली बंदी शिविर सांगानेर के प्रहरी को फोन कर जान से मारने की धमकी देने वाला पुडुचेरी से गिरफ्तार, दो अन्य साथी आरोपियों को पकड़ा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। मालपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खुली बंदी शिविर सांगानेर के प्रहरी को फोन कर जान से मारने की धमकी देने वाले एक आरोपी पुडुचेरी (तमिलनाडु) से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया है और साथ ही उसके दो अन्य साथी बंदी को भी पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि मालपुरा गेट थाना इलाके में स्थित खुला बंदी शिविर सांगानेर में तैनात जेल प्रहरी मनोहर लाल बिश्नोई को पांच अप्रैल को फोन कर जान से मारने की धमकी देने वाले विक्रमजीत (30) निवासी

महाजन जिला बीकानेर,राम भरोसी (45) निवासी मासलपुर जिला करौली और रामकिशन (31) निवासी खेतड़ी जिला झुंझुनू को पुडुचेरी (तमिलनाडु) से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मुनिन्द्र सिंह ने बताया जेल प्रहरी मोहनलाल विश्नोई ने मामला दर्ज कराया था कि उसके मोबाइल पर फोन आया तथा अपना नाम विक्रांत चौधरी बताते हुए कहा कि अभी तुझे इसी बन्दी फार्म के दूसरे बंदियों को भेजकर सबक सिखा दूंगा और मुझे जानता नहीं है। मेरी पिस्टल में बहुत पितल है वह पीतल तेरे में भर दूंगा और फार्म से बाहर निकलते ही जान से मारने की धमकी दी गई। इस धमकी के पीछे शिविर में सजा भुगत रहे दो बंदी राम भरोसे सोनी एवं रामकिशन का हाथ है । इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल करते हुए पता लगाया गया कि यह फोन कहा से आया। जहां जांच में सामने आया कि यह फोन पांडिचेरी से किया गया। जिस पर एक पुलिस गठित टीम को पांडिचेरी भेजा गया। जहां टीम खुला बंदी शिविर सांगानेर के जेल प्रहरी को फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले विक्रमजीत को दस्तयाब कर पूछताछ कर गिरफ्तार किया गया और साथ ही अन्य दो बंदी रामभरोसी एवं रामकिशन गुर्जर को भी पकडा।

एसएमसी समिट 2.0 यूथ फेस्ट का आयोजन 18 अप्रैल से होगा आगाज

अमन गुप्ता और आशीष सोलंकी देंगे युवाओं को सफलता का मंत्र, रैपर डिनो जेम्स होंगे आकर्षण का केंद्र

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। पिछले साल की ऐतिहासिक शुरुआत के बाद 18 से 20 अप्रैल 2025 को एसएमसी समिट 2.0 आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर होगा। सॉर्ट माय कॉलेज और मिराकी आर्गेनाइजेशन की ओर से होने वाले इंडियाज लीडिंग यूथ फेस्ट में युवाओं को एक्सपर्ट सफलता के मंत्र देंगे।

यह तीन दिवसीय फेस्टिवल स्टूडेंट्स को प्रेरणादायक सेशन्स, कॉम्पिटिशन, नेटवर्किंग और करियर से जुड़ी संभावनाओं के माध्यम से सशक्त बनाने का उद्देश्य रखता है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि भविष्य के नेताओं, इनोवेटर्स और चेंजमेकर्स के लिए एक लॉन्च-पैड है। 18 अप्रैल को यूथ फेस्टिवल के साथ इस समिट की शुरुआत होगी। इस फेस्ट में देश के अग्रणी शैक्षणिक संस्थान हिस्सा लेंगे। जिनमें एमिटी यूनिवर्सिटी जयपुर, जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी,

विवेकानंदा ग्लोबल यूनिवर्सिटी, फेड इंटरनेशनल एकेडमी, कर्णावती यूनिवर्सिटी प्रमुख है। इस फेस्ट में आंत्रप्रेन्योर,मोटिवेशनल स्पीकर्स और जयपुर के आर्टिस्ट शिरकत करेंगे। युवाओं को एस एसएमसी समिट में आंत्रप्रेन्योर और मोटिवेशनल स्पीकर बोट कंपनी के को-फाउंडर अमन गुप्ता, आशीष सोलंकी, देव रेयानी, प्रियांशु मोदी, तनीषा मिरवानी और सोनल देवराज से भी रूबरू होने का अवसर मिलेगा। फेस्ट के दौरान मशहूर रैपर व मोटिवेशनल आर्टिस्ट डिनो जेम्स की उपस्थिति आकर्षण का केंद्र होगी। 19 और 20 अप्रैल को एमयूएन (मॉडल यूनाइटेड नेशन) का आयोजन किया जाएगा जिसमें कई रोमांचक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएगी। मॉक ऑक्शंस, इंटरनेशनल प्रेस, ई स्पोर्ट्स एरेना, शार्क टैंक, स्टूडेंट एडिशन, आर्ट कॉन्टेस्ट और क्रिएटर्स चैलेंज। इन गतिविधियों को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि वे स्टूडेंट्स की सोचने की क्षमता, रचनात्मकता, नेतृत्व कौशल और सहयोग भावना को बढ़ावा देंगे।

कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

आगजनी में दस लाख रुपए का नुकसान

आधा दर्जन से अधिक गाडियों ने दो घंटे की कडी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। मुरलीपुरा थाना इलाके में गुरूवार सुबह कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगने से दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस सहित दमकल की आधा दर्जन से अधिक गाडियां मौके पर पहुंची और दो घंटे की कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से गोदाम में करीब दस लाख रुपए का नुकसान होना सामने आया है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारण का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि मुरलीपुरा की नील गिरी कॉलोनी में सागर शर्मा का कबाड़ का गोदाम है। जहां गुरूवार सुबह अचानक बंद पड़े गोदाम में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। गोदाम में रखा सामान जलने पर आग की भीषण लपटों के साथ धुएं का गुब्बार उठने लगा। आग की भीषण लपटों को देखकर स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल हो गया। लोगों की सूचना पर पुलिस सहित विश्वकर्मा फायर स्टेशन से पहुंची आधा दर्जन से अधिक दमकलों ने दो घंटे की कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। कबाड़ गोदाम के मालिक सागर ने दमकल विभाग को गोदाम में दस लाख रुपए का नुकसान होना बताया है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन लोगों को मारी टक्कर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जामडोली थाना इलाके में स्थित जयपुर-आगरा टनल के पास बुधवार देर रात को एक कार ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार कार सवार कार को मौके पर छोड भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एसएमएस ट्रोमा सेंटर पहुंचाया।,तीनों की हालत गम्भीर बताई जा रही है। फिलहाल इस मामले की जांच सडक दुर्घटना थाना पूर्व की ओर से की जा रही है। दुर्घटना थाना पूर्व एएसआई ईश्वर सिंह ने बताया कि बुधवार देर रात सूचना मिली थी की कार और बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार तीन युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एसएमएस में भर्ती करवाया। पुलिस ने कार और दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई बाइक को जब्त कर चालक की तलाश की जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार बाइक चला रहे युवक के सिर में गंभीर चोट है और वहीं पीछे बाइक पर बैठे दोनों युवक के हाथ और पैर में फैक्चर हुआ है।बाइक और कार की भिड़ंत के बाद कार चालक कार लेकर फरार होने का प्रयास कर रहा था, लेकिन कार जाम होने जाने के कारण चालक कार को मौके पर छोड़ कर भाग गया।

गर्मी के मौसम को देखते हुए महात्मा गांधी नरेगा श्रमिकों का समय जिला कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक अधिकारी निर्धारित कर सकेंगे

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती श्रेया गुहा ने बताया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत श्रमिक समूह 8 घंटे की कार्य अवधि 1 घंटे के विश्राम काल के साथ निश्चित है। राज्य में गर्मी के मौसम को देखते हुए योजना अंतर्गत कार्यों का समय जिला कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक वर्तमान स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए अपने स्तर पर निर्धारित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कार्य समय इस प्रकार निर्धारित किया जाए कि कार्य की अवधि 8 घंटे 1 घंटे के विश्राम के साथ हो। विश्राम काल का प्रावधान नहीं रखने की स्थिति में 7 घंटे की कार्य अवधि की जा सकती है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि जिला स्तर पर इस संबंध में निर्देश जिला कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा जारी किए जा सकते हैं। इसमें इस बात का भी प्रावधान किया जा सकता है कि यदि कोई श्रमिक समूह समय से पहले निर्धारित टास्क के अनुसार कार्य पूरा कर लेता है तो वह कार्य की माप मेट के पास उपलब्ध मस्टरोल के टास्क प्रपत्र में अंकित करवाने के उपरांत समूह के मुखिया के हस्ताक्षर के बाद कार्य स्थल छोड़ सकता है।

FX Stock घोटाला फॉरेक्स और क्रिप्टो के नाम पर 2000 करोड़ की ठगी, असली दोषी कौन?

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। एक बड़े निवेश घोटाले का पर्दाफाश हुआ है, जिसमें FX Stock नाम की कंपनी के माध्यम से आम जनता से फॉरेक्स और क्रिप्टोकरेंसी निवेश के नाम पर हजारों करोड़ रुपये की ठगी की गई है। कंपनी ने लोगों को मोटा लाभ देने का वादा कर निवेश करवाया, लेकिन बाद में अचानक गायब हो गई।

कैसे हुआ घोटाला : कंपनी ने सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों से प्रचार करके हजारों लोगों को निवेश के लिए प्रेरित किया। कंपनी ने खुद को फॉरेक्स ट्रेडिंग और क्रिप्टो निवेश से जुड़ा बताया और लोगों को हाई रिटर्न्स का लालच देकर पैसे निवेश करवाए।

लाइसेंस की हकीकत : जानकारी के अनुसार, ऐसी कंपनियों के पास कोई वैध निवेश या वित्तीय सेवा लाइसेंस नहीं होता। ये केवल आम जनता को

झांसा देकर फर्जी निवेश स्कीम्स चलाती हैं और फिर पैसा लेकर गायब हो जाती हैं।

डॉ. नीरज सिंह की राय : इस मामले पर विशेषज्ञ डॉ. नीरज सिंह का कहना है कि, ऐसी कंपनियों के पीछे एक संगठित गिरोह काम करता है, जो तकनीक, मार्केटिंग और मनोवैज्ञानिक हथकंडों का प्रयोग करके लोगों को ठगता है। असली दोषी वे लोग हैं जो इस कंपनी को चला रहे थे, साथ ही वे सरकारी एजेंसियां भी जो समय रहते कार्रवाई नहीं कर पाईं।

2000 करोड़ का स्कैम : बताया जा रहा है कि FX Stock नामक कंपनी कम से कम 2000 करोड़ रुपये की ठगी कर चुकी है। यह मामला अब देशभर के निवेशकों की चिंता का कारण बन गया है। यह घोटाला एक चेतावनी है कि निवेश से पहले कंपनी की पृष्ठभूमि और वैधता की जांच करना बेहद ज़रूरी है। सरकार और निवेश नियामक एजेंसियों को ऐसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए ताकि आम जनता का विश्वास वित्तीय सिस्टम पर बना रहे।

होटल में अनैतिक गतिविधियों के विरोध में स्थानीय लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

मौके पर पहुंची पुलिस ने कराया मामला शांत, जल्द कार्रवाई करने का दिया आश्वासन, जल्द ही मुख्यमंत्री,नगर निगम महापौर, पुलिस कमिश्नर और जेडीए कमिश्नर को सौंपा जाएगा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। श्याम नगर थाना इलाके के अजमेर रोड स्थित अशोक नगर विकास समिति क्षेत्र में रहने वाले कॉलोनी वासियों ने एक होटल में अनैतिक गतिविधियों के आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग होटल के बाहर इकट्ठा हुए और फिर नारेबाज़ी की और तुरंत कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश कर मामला शांत करवाया। साथ ही जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। समिति अध्यक्ष बजरंग पारीक ने बताया कि अशोक नगर इलाके में स्थित एक होटल में काफी दिनों से अनैतिक गतिविधियों की जानकारी मिल रही थी। जिस पर कॉलोनी वासियों की ओर से थाने में कई बार होटल में संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत दी गई थी। लेकिन पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे कॉलोनी का माहौल दिन-ब-दिन बिगड़ता जा रहा है। जैसे ही होटल के बाहर प्रदर्शन शुरू हुआ तो सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायज़ा लिया। हालांकि स्थानीय लोगों ने पुलिस से इस बार सख्त और स्थायी कार्रवाई की मांग की। इस विषय पर जल्द ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नगर निगम महापौर, जयपुर पुलिस कमिश्नर और जेडीए कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा देकर अवगत कराया जाएगा।

श्री निम्बार्क कृष्ण बिहारी जी भगवान के नवम् पाटोत्सव पर भागवत कथा वाचना एवं आशीर्वाद वितरण

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। सेवा कुंज आश्रम, जगतपुरा, जयपुर में श्री निम्बार्क कृष्ण बिहारी जी भगवान के नवम् पाटोत्सव के अवसर पर संत बाबा श्री कृष्णशरण (कल्याण दास) के द्वारा भागवत कथा का आयोजन किया गया। षष्ठम् दिवस पर व्यासपीठ पर आसीन पं. श्री रमेश चन्द जी शास्त्री करौली वालों ने कृष्ण मथुरा गमन, कंश वध, कृष्ण का गुरूकुल से शिक्षा प्राप्त करना, रूखमड़ी कृष्ण विवाह आदि विषयों पर प्रकाश डाला। इस दौरान अखण्ड हरिनाम संकीर्तन भी किया गया, जिसे वृन्दावन के श्री राधा कान्त और स्वामी श्री भुवनेश्वर वशिष्ठ ने मार्गदर्शन दिया। गुरुवार को भागवत कथा में श्री पदनाम शरण जी महाराज अपने शिष्यों के साथ पधारे और

श्रोताओं को आशीर्वाद प्रदान किया। पलसाना के महंत श्री मनोहर शरण जी महाराज ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनके पूर्व श्री मुकंद शरण जी महंत श्री वृंदावन धाम के ब्रिगेड रहे।

एसबीएन का शैक्षणिक भ्रमण दल रवाना

एक दिवसीय भ्रमण दल सिरसा के ऐतिहासिक स्थलों से होगा रूबरू

बढ़ता राजस्थान

साहवा (कृष्ण कुमार)। कस्बे में संचालित सरस्वती बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र - छात्राओं का एक दिवसीय भ्रमण दल रवाना किया गया। गुरुवार को विद्यायल से रवाना हुए भ्रमण दल में कक्षा 1 से 7 तक के 150 विद्यार्थी शामिल हुए। संस्था निदेशक सुरेंद्र श्योराण ने जानकारी देते हुए बताया कि एक दिवसीय भ्रमण दल को विद्यालय से गुरुवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह दल हरियाणा के सिरसा जिले में कई ऐतिहासिक स्थानों का भ्रमण करेगा।

जिसमें सिरसा का वाटर पार्क और ताराबाबा की कुटिया का भ्रमण कर ऐतिहासिक स्थलों से रूबरू होंगे। श्योराण ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों, ऐतिहासिक स्थलों और विविध वातावरण से परिचित कराना है। जितेंद्र शर्मा ने कहा कि रोज़ाना की दिनचर्या से कुछ हटकर नए स्थानों पर घूमने से विद्यार्थियों में न सिर्फ़ ज्ञान वृद्धि करता हैं बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को तंदुरूस्त भी बनाता है। इस अवसर पर जितेंद्र शर्मा, राजेंद्र लिखाला, मुबारक हुसैन, रामचंद्र खीचड़ सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित था।

महावीर भगवान के जन्मकल्याणक पर उप नगरीय क्षेत्र में निकली भव्य एवं विशाल रैली

3 हजार से अधिक दुपहिया वाहन हुए शामिल

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। महावीर जैन जागृत की परिषद एवं सकल जैन समाज हिरण मगरी उपनगर क्षेत्र द्वारा श्रमण भगवान महावीर स्वामी का 2624वा जन्म कल्याणक महोत्सव गुरुवार को धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। महोत्सव की शुरुआत गुरुवार को प्रात: 7.30 बजे विद्या निकेतन से भव्य वाहन रैली एवं शोभायात्रा से हुई। डीजे पर बजती भक्ति धुनों के साथ हजारों महिलाएं एवं पुरुष हाथों में जैन ध्वज लिए शोभा यात्रा में नाचते गाते चल रहे थे।

परिषद के कोर कमेटी सदस्य डॉ.हिम्मत लाल वया ने बताया कि इस विशाल एवं भव्य शोभायात्रा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शोभा यात्रा का अंतिम छोर विद्या निकेतन प्रांगण के बाहर ही था जबकि उसका पहला छोर हिरण मगरी सेक्टर 4 में पहुंच चुका था। वाहन रैली में 3000 से ज्यादा दुपहिया वाहन शामिल हुए। संपूर्ण शोभा यात्रा के दौरान महावीर के त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर की जैसे जयकारों से पूरा शोभायात्रा मार्ग गूंजायमान रहा।

परिषद के कोर कमेटी सदस्य आर.सी.मेहता एवं सुशील बाठियां ने बताया कि शोभा यात्रा में शामिल हर श्रद्धालुओं के हाथों में विभिन्न प्रेरणादाई संदेश लिखी तख्तियां थी। शोभा यात्रा में चल रहे श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह शीतल जल की व्यवस्था की गई थी।यात्रा के मार्ग में कई स्वागत द्वार लगाए गए थे। कार्यकर्ता सड़क पर व्यवस्थाएं संभालने में जुटे हुए थे जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से कई जवान शोभा यात्रा और सड़क पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम कर रहे थे। शोभायात्रा पर राजेश वया, पीयूष पामचा ने पुष्प वर्षा की व ठंडा जल वितरण किया । शोभायात्रा में करीब पांच हजार समाज जैन समाज जन शामिल हुए। विद्या निकेतन प्रांगण में सजे विशाल पंडाल में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में हिरण मगरी उपनगर क्षेत्र में रहने वाले करीब दस हजार जैनों ने एकता का परिचय देते हुए एक ही प्रांगण में एक ही पंडाल के नीचे महावीर स्वामी का जन्म कल्याण महोत्सव समारोह मनाया। इसके बाद स्वामीवात्सल्य का आयोजन हुआ।

समारोह का प्रारंभ नमस्कार महामंत्र का 5 बार सामूहिक जाप एवं बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ ही भगवान महावीर स्वामी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। अतिथियों का मेवाड़ी पगड़ी, माला एवं उपरना पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। समारोह में 40 भामाशाहों का अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। समारोह में महावीर जैन जागृति परिषद के डॉ. हिम्मत लाल वया, अरुण कुमार वया, आरसी मेहता, सुशील बाठिया, राजेंद्र अखावत, दिनेश नंदावत, राजेंद्र डागा,आनंदीलाल बंबोरिया एवं हेमंत कुमार पामेचा के सानिध्य में यह संपूर्ण सफल आयोजन हुआ।

विभिन्न आयोजनों में महिला मंडल की संयोजक चंचल मांडावत, वंदना बाबेल, संगीता जारोली, उषा मेहता, उषा कुनावत का सहयोग रहा ड्ड मुख्य अतिथियों में पूर्व उपमहापौर पारस सिंघवी, समाजसेवी दिनेश खोडानिया, प्रमुख उद्योगपति मांगीलाल लुणावत, ओसवाल महासभा के अध्यक्ष प्रकाश कोठारी, यशवंत आंचलिया, विनोद लसोड, बड़ी सादड़ी चेयरमैन, जतिन गांधी आदि शामिल थे। संचालन आलोक पगारिया ने किया।

लीकेज से व्यर्थ बह रहा मीठा पानी

लीकेज की अनदेखी से हर रोज हजारों लीटर पानी की हो रही बर्बादी

बढ़ता राजस्थान

साहवा (कृष्ण कुमार)। गर्मी शुरू होते ही एक ओर जहां पानी को भारी किल्लत पैदा होना शुरू हो गई है तथा पेयजल लाइनों में लीकेजो के कारण पानी का प्रेशर नहीं होने से घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता । पानी की कमी के कारण गर्मी में लोगो के हाल बेहाल है तो वहीं दूसरी तरफ जलदाय विभाग के अधिकारियों की उदासीनता और लीकेज निकालने वाले ठेकेदार की मनमर्जी के चलते हर रोज हजारों लीटर शुद्ध पेयजल बेकार में बहने दिया जा रहा है। जलदाय विभाग का बूंद बूंद पानी बचाने का दावा यहां खोखला साबित हो रहा है। यहां लापरवाही के चलते हर रोज हजारों लीटर शुद्ध पानी बेकार बहता जा रहा है।कस्बे में कुछ स्थानों पर समय पर पानी नहीं पहुंचने से गर्मी में लोग जहां पानी को तरस रहे है तो वहीं कस्बे के टिडियासर सड़क मार्ग पर श्मशान घाट के पास एक पेयजल लाइन में हुए लीकेज से पिछले कई दिनों से लगातार मीठा पानी व्यर्थ बह रहा है। जबकि संबंधित ठेकेदार द्वारा इस लीकेज को ठीक नहीं किया जा रहा जिसके कारण हर रोज हजारों लीटर शुद्ध पानी की बर्बादी हो रही है। लीकेज से बह रहा पानी सड़क किनारे इक्ठा होने से तालाब बनता जा है। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही पानी की बर्बादी को लेकर आस पास के लोगो का कहना है कि विभाग के कर्मचारियों को कई बार लीकेज निकालने को लेकर अवगत करवा दिया गया लेकिन लीकेज को आज तक ठीक नहीं किया गया। ठेकेदार और अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। कस्बे के लोगो ने बताया इसी तरह कस्बे में अनेक स्थानों पर लाइनों में आए दिन लीकेज से पानी बेकार बहता रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि पाईप लाइनों में हुए लीकेज नहीं निकालकर ठेकेदार द्वारा फर्जी तरीके से भुगतान उठाकर सरकारी खजाने को चपत लगाई जा रही है। विदित रहे जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग उपखंड ललानिया की समस्त पेयजल लाइनों के लीकेज निकालकर लाइनो के रखरखाव के लिए हर साल लाखों रुपए खर्च होते है। इस साल 12.5 लाख की लागत से लीकेज निकालने का टेंडर जारी हुआ।

जिसके लिए बालाजी कंट्रक्शन कंपनी को वर्क ऑर्डर जारी किया गया, लेकिन टेंडर अवधि का अधिकांश समय बीत जाने के बाद भी साहवा भलाऊ टीबा जाने वाली मुख्य लाईन सहित कस्बे के अंदर अनेक पेयजल लाइनों में आए दिन लीकेज होने से हर रोज हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहता रहता है। ऐसे में ठेकेदार पर भुगतान उठाने में कथित तौर पर फर्जीवाड़ा के आरोप लग रहे है।

श्रद्धा सुमन अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

स्व. देवीदत पांडिया की द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बढ़ता राजस्थान

साहवा (कृष्ण कुमार)। जिंदगी में जो कुछ अपने स्वार्थ से परे दूसरों के हित में किया जाता है वही बच जाता है वह सार्थक होता है शेष सब मिट जाता। उक्त विचार प्रकट करते हुए वक्ताओं ने स्व. देवीदत पांडिया की द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

गुरुवार को कस्बे की श्री कृष्ण गौ सेवा समिति प्रांगण में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने व्यापार मंडल के अध्यक्ष रहे स्व. देवीदत पांडिया की द्वितीय पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने हर क्षेत्र उनके निस्वार्थ भाव से किए गए योगदान को याद करते हुए कहा कि वे एक ईमानदार, कर्मठ और सच्चे सेवक थे जिन्होंने समाज के हर वर्ग के साथ अपनत्व भाव से जुड़कर अपनी अमिट छाप छोड़ी, उनके जैसे दयालु और सेवाभावी इंसान बिरले ही मिलते है हमें उनके विचारों को अपने जीवन में उतरना चाहिए। उनकी कमी को कभी भरा नहीं जा सकता। श्रद्धांजलि सभा में पधारे सभी ग्रामीणों का बनवारी लाल पारीक, विद्याधर पारीक ने आभार जताया। इस मौके पर शिवकरण पांडिया, धर्मचंद पारीक, तोलाराम पारीक ,श्याम सुंदर सांडवा , राजेंद्र पारीक, बनवारी लाल, विद्याधर पारीक द्वारा गायों के लिए करीबन एक लाख इकतालीस हजार की लागत की 101 सवामणी का भोग भी लगाया गया। इस अवसर पर साहवा थानाधिकारी रामप्रताप, गौशाला अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, रामकुमार पांडिया, परमेश्वर पांडिया, शिवनारायण मुदलिया, मालराम प्रिगावत, डॉ नोपाराम पारीक ,डॉ रणधीर ढाका , हंसराज भाभू ,किसन सोनी, अशोक सोनी, हेमराज मेघवाल, सतीश तिवारी, सुरेश पारीक, किसन पारीक, कृष्णलाल बोहरा, हनुमान पारीक ,तोलाराम सांकरोत, परमेश्वर लाल पांडिया सहित अनेक ग्रामीण व स्व. पारीक के परिजनों ने भाग लेकर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

भगवान महावीर के जन्मकल्याणक पर जैन समाज ने भव्य शोभायात्रा निकाली

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। भगवान महावीर के जन्मकल्याणक पर जैन समाज ने भव्य शोभायात्रा निकाली। यह यात्रा वर्धमान नगर स्थित जैन मंदिर से शुरू हुई।शोभायात्रा का मार्ग स्टेशन रोड से शुरू होकर नई मंडी, मोहन नगर स्थित श्वेतांबर स्थानक तक गया। फिर जगदंबा मार्केट और अस्पताल चौराहे से होते हुए मनीराम पार्क पहुंची। यहां से शीतला चौराहा, डैम्प रोड और कटरा बाजार होते हुए केशवपुरा स्थित प्राचीन जैन मंदिर पर समाप्त हुई। भगवान महावीर की प्रतिमा को सजे हुए रथ पर विराजमान किया गया। यात्रा में डीजे और बैंड-बाजे के साथ घुड़सवार भी शामिल थे। बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और युवा इस धार्मिक यात्रा का हिस्सा बने।मार्ग में कई जगह स्वागत द्वार बनाए गए। यात्रा में शामिल लोगों को ठंडाई, शरबत और शीतल पेय पिलाया गया। साथ ही फल वितरण किया गया और दुपट्टा भेंट किया गया।जन्म कल्याण उत्सव के अवसर पर जैन समाज ने सामाजिक कार्य भी किए। गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाया गया। वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को फल और कपड़े वितरित किए गए। इस अवसर पर राजेन्द्र जैन, सुमत जैन प्रेम चन्द जैन महावीर प्रसाद जैन नरेश चंद जैन मुकेश चंद जैन सुनील कुमार जैन हेमेंद्र जैन वर्धमान जैन आदित्य जैन डॉ मनोज जैन पंकज जैन भगवान सहाय जैन एडवोकेट कृष्ण कुमार जैन देवेंद्र जैन श्रीपाल जैन गोपाल जैन रिद्धि चंद जैन एडवोकेट महेंद्र जैन पदम चंद जैन प्रदीप जैन गिरीश कुमार जैन अरविंद जैन सुशील कुमार जैन बंटी विकास जैन राजकुमार जैन विवेक जैन इत्यादि शामिल रहे ।

नगरीय निकायों के परिसीमन एवं वार्ड पुनर्गठन प्रस्तावों पर राजकीय अवकाश के दिन भी प्राप्त की जाएंगी आपत्तियां

14 अप्रैल तक राजकीय अवकाश के बावजूद आपत्तियां की जा सकेगी प्रस्तुत

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिनांक 07 अप्रैल 2025 को जारी सूचना के क्रम में नगरीय निकायों के परिसीमन एवं वार्ड पुनर्गठन प्रस्तावों पर जनसाधारण 17 अप्रैल, 2025 (कार्यालय समय सायं 6 बजे) तक आपत्तियां अथवा सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025 को राजकीय अवकाश के दिन भी आपत्तियां एवं सुझाव स्वीकार किये गए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) श्री आशीष कुमार ने बताया कि नगरीय निकायों के परिसीमन एवं वार्ड पुनर्गठन प्रस्तावों पर आपत्ति राजकीय अवकाशों (दिनांक 10.04.2025 से 14.04.2025) में भी प्रस्तुत की जा सकती है। इसके लिए उक्त राजकीय अवकाश दिवसों पर भी जिला कलेक्ट्रेट, जयपुर स्थित जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय तथा नगर निगम हेरिटेज एवं ग्रेटर के मुख्यालय एवं इनके अधीन आने वाले समस्त जोन कार्यालय खुले रहेगें।

शोभायात्रा के साथ पांच दिवसीय दत्तात्रेय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारम्भ

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। श्री नांदेश्वर महादेव मंदिर निर्माण एवं विकास समिति द्वारा नाई गांव स्थित नांदेश्वर महादेव मंदिर में पांच दिवसीय श्री श्री दत्तात्रेय भगवान मंदिर,मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं पंच कुण्डीय महायज्ञ का आज शोभायात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। समिति के भवानीशंकर पुजारी ने बताया कि आज विशेष रूप से क्षेत्र में 108 कलश यात्रा की विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में महिला-पुरूषों ने भाग लिया। पूरे क्षेत्र का उमंग देख कर लग रहा है कि यह वास्तव में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल प्राण प्रतिष्ठा तक का पांच दिन का विशाल आयोजन किया जा रहा है। आयोजन प्राण प्रतिष्ठा के आचार्य पुष्कर धारता सहचार्य किशन आमेटा और कई पंडितों के साथ शोभायात्रा और प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जा रहा है। आज यज्ञशाला में 21 जजमानों के द्वारा आहुति की गई। भव्य त्रिवेणी संगम का 14 तारीख का विशाल आयोजन प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का रहेगा। 11 अप्रेल को स्थापित देव पूजन, दण्ड़क हवन, स्थापित देव हवन, धान्याधिवास क आयोजन होंगे।

मेहंदीपुर बालाजी में हनुमान जयंती की धूम, भव्य तैयारियाँ जारी

बढ़ता राजस्थान

मेहंदीपुर बालाजी (भरत सिंह)। मेहंदीपुर बालाजी में हनुमान जन्मोत्सव के बधाई गीतों व भजन कीर्तन से बालाजी नगरी गूंजा रही है। देश के प्रसिद्ध आस्था धाम मेहंदीपुर बालाजी में शनिवार 12 अप्रैल को हनुमान जयंती का महा पावन पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नरेशपुरी महाराज के निर्देशन में मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारीयो ने दर्शनों के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थित कतारें से बालाजी महाराज के दर्शन व्यवस्था, पानी की प्याऊ, सफाई दो एम्बुलेंस,फायर ब्रिगेड व सुरक्षा व्यवस्था संबंधी तैयारियां की है । हनुमान जयन्ती कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए मंदिर परिसर को रंग बिरंगी लाईटों, बालाजी महाराज की जीवन की बाल लीलाओं का चित्रण व गर्भगृह को फूल बंगला झांकी,विशाल स्वागत द्वार,बाहरी आवरण को भव्यता से सजाया जा रहा है वही मंदिर को भव्यरूप देने दिन रात कारिगर जुटे है । जानकारी के अनुसार हनुमान जयंती मेहंदीपुर बालाजी का सबसे बड़ा त्यौहार है। जिससे यहां पर अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ की आवाजाही रहती है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मेहंदीपुर बालाजी के महंत नरेशपुरी महाराज ने इस बार की हनुमान जयंती पर मंदिर ट्रस्ट की ओर से अलग से प्रबंध कमेटी का गठन की हुआ है जिन्हें विभागवार जिम्मेदारियां सौंपी गई है। उक्त कमेटी श्रद्धालुओं को होने वाली हर सुविधा का ध्यान रखते हुए मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महंत महाराज को इसकी रिपोर्ट करेगी। जिसके तहत प्रबंध कमेटी मेहंदीपुर बालाजी की सफाई व्यवस्था की पूरी निगरानी रखेगी। जिसे हनुमान जयंती पर आने वाले श्रद्धालु को कोई भी परेशानी का सामना नही करना पडे भक्त अपने आराध्य का हैप्पी बर्थडे (हनुमान जयंती) धूमधाम से मना सके। पूरे महोत्सव क्षेत्र की मंदिर द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जाएगी।

भामाशाह द्वारा बनाए गए कूलिंग फव्वारा सिस्टम का किया उद्घाटन

बढ़ता राजस्थान

साहवा (कृष्ण कुमार)। कस्बे की श्री कृष्ण गौ सेवा समिति में बीमार और असहाय गोवंश के लिए गर्मी में राहत प्रदान करने के लिए बनाए गए कूलिंग फव्वारा सिस्टम का विधिवत् उद्घाटन किया गया।

गुरुवार को गोशाला प्रांगण में आयोजित एक समारोह में भामाशाह सतीश पारीक, अध्यक्ष पारीक परिषद दिल्ली की ओर से करीबन 1 लाख रुपए लागत से श्री कृष्ण गौशाला में बनाए गए कूलिंग फव्वारा सिस्टम का उद्घाटन साहवा थानाधिकारी रामप्रताप द्वारा बटन दबाकर किया गया। बता दे कि इस फव्वारा सिस्टम को गायों के टीन शेड में ऊपरी हिस्से में लगाया है जिससे गर्मी की तप्त में गायों पर फव्वारा सिस्टम द्वारा पानी का छिड़काव होता है जिससे शेड में बराबर ठंडक बनी रहती है जो बीमार और असहाय गोवंश के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। भामाशाह द्वारा गौ हितार्थ किए गए कार्य के लिए थानाधिकारी रामप्रताप और उपस्थित ग्रामीणों व गौसेवकों ने भामाशाह सतीश पारीक का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही स्वामी परिवार साहवा द्वारा गायों के लिए बनाए गए उक्त टीन शेड के चारों तरफ के हिस्से में ऊपर की ओर कुछ हिस्सा खुला होने के कारण शेड के अंदर गर्मी की तप्त बढ़ती है ऐसे में ग्रामीणों ने भामाशाह स्वामी परिवार से शेड के ऊपरी हिस्से को ढकने के लिए पर्दे आदि लगाने की गुजारिश की, जिस पर भामाशाह ने दूरभाष पर ही पर्दे लगवाने की घोषणा कर दी। इस पर ग्रामीणों ने स्वामी परिवार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, विद्याधर पारीक, महेंद्र खांन कुम्हार, डॉ रणधीर ढाका, नोपाराम पारीक, रामकुमार पांडिया, हंसराज भांभू, तोलाराम सांकरोत, कृष्णलाल बोहरा ,अशोक सोनी, हनुमान पारीक, एडवोकेट हजारीराम सैनी, पत्रकार रामकुमार सिहाग, पत्रकार श्यामसुंदर शर्मा, पत्रकार कृष्ण कुमार बनवारीलाल पारीक, बंशीराम कस्वा, शौकिन खांन, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गौसेवक उपस्थित थे।

महात्मा फूले व बाबासाहेब अंबेडकर जयंती पर 11 अप्रैल को होगा विशाल रक्तदान शिविर

बढ़ता राजस्थान

झुंझुनूं,(नि.स.)। महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर, युवा समाजसेवी रक्तवीर स्व. राकेश बेसरवाल की तृतीय पुण्यतिथि पर एक भव्य स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 11 अप्रैल को अंबेडकर भवन, झुंझुनूं में प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होगा। इस आयोजन को लेकर बुधवार को अंबेडकर भवन में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष विकास आल्हा, अजय कुमार नुआ और डॉक्टर राजवीर बेसरवाल ने शिविर की तैयारियों की समीक्षा की।

11 केवी बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने से लगी आग

बढ़ता राजस्थान

चौमहला(आबिद हुसैन)। झालावाड़ जिले के उन्हैल कस्बे में गुरुवार दोपहर को आलोट-उन्हैल सड़क के पास खेतों से गुजर रही 11 केवी बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग खेतों से सड़क किनारे बने बंद पड़े ढाबे को अपनी चपेट में लिया। सूचना मिलते ही थानाधिकारी रामकरण कटारिया मय जाब्ते घटनास्थल पर पहुंचे व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया। कांस्टेबल कमलेश कुमार व विष्णु कुमार ने सूझबूझ दिखाते हुए सीमावर्ती नगर परिषद् आलोट मध्यप्रदेश को फोन कर फायर ब्रिगेड बुलवाई। बड़ी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। तब तक निजी ढाबा जल कर राख हो गया। गनीमत रही कि आग के दौरान ढाबा बंद था, जिससे जनहानि नहीं हुई।

क्षेत्र में नहीं है फायर ब्रिगेड, 100 किमी दूर से आती है : गंगधार उपखंड क्षेत्र व पंचायत समिति डग में 32 ग्राम पंचायत होने के बाद भी एक भी फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं है। 32 ग्राम पंचायतों के किसी गांव में यदि कहीं आग लग जाती है तो गंगधार उपखंड से 100 किमी दूर भवानीमंडी से फायर ब्रिगेड मंगवानी पड़ती है। जिसे आने में करीब 2 से 3 घंटे का वक्त लगता है। ग्रामीणों ने उपखंड क्षेत्र में एक फायर ब्रिगेड होने की मांग उठाई, जिससे कहीं आग लगने पर तुरंत आग पर काबू पाया जा सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का भाजपाइयों ने किया भव्य स्वागत, अभिनन्दन

भाजपा ने चुनावों में कांग्रेस का खाता नहीं खुलने दिया पंचायतीराज एवं निकाय चुनावों में भी बना रहे वर्चस्व : मदन राठौड़

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के गुरुवार को अल्प प्रवास पर भीलवाड़ा पहुंचने पर भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के नेतृत्व एवं सांसद दामोदर अग्रवाल, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी के सान्निध्य में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा जिला संगठन को बधाई देते हुए कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जिले में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलने दिया, यह बड़ी बात है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आने वाले पंचायती राज एवं निकाय चुनावों में भी भाजपा का वर्चस्व बना रहे, कांग्रेस को पैर जमाने का मौका भी नहीं देना है। उन्होंने पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि संगठन पर्व के दौरान जिले में जिन्हें सदस्य बनाया गया, वे सब किस प्रकार सक्रिय बने रहे, इस दिशा में प्रयास करें और जिले भर में सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलनों का आयोजन कर पार्टी की रीति नीति, विचारधारा सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता के बीच पहुंचाएं। इससे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का जिला संगठन की ओर से साफा पहनाकर एवं तलवार भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंजू चेचाणी, बाबूलाल आचार्य, प्रहलाद त्रिपाठी, सुरेंद्र सिंह मोटरास, अंकुर बोरदिया, मनोज बुलानी, गोपाल तेली, अविनाश जीनगर, भगवत सिंह राठौड़, कुलदीप शर्मा, पूरण डीडवानिया, ललित अग्रवाल, महावीर समदानी, मनीष पालीवाल, घनश्याम सिंघीवाल, प्रेम विश्नोई, मुकेश चेचाणी, रितुशेखर शर्मा, पंकज प्रजापत, ललित व्यास, राजेश सेन, प्रतिभा माली, ज्योति आशीर्वाद, शिवांगी कानावत, रेखा परिहार, इंदु टांक सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा कपासन विधानसभा स्तरीय सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। भाजपा स्थापना पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा क्षेत्रीय विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का बुधवार सांय नगर में स्थित एसआर वाटिका में आयोजन किया गया।जिसका शुभारंभ मंचासिन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।इस सम्मेलन को संबोधित कर सांसद सीपी जोशी ने कहाकि कार्यकर्ताओं की मेहनत से केंद्र-राज्य में भाजपा की सरकार है।सांसद जोशी ने बताया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने 11 साल के कार्यकाल में ऐतिहासिक निर्णय किये।

भाजपा नगर मंडल महामंत्री अशोक विजयवर्गीय ने बताया कि विधानसभा स्तरीय सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा जिला अध्यक्ष रतनलाल गाडरी ने कहाकि भाजपा लंबे समय से केंद्र में सरकार रूप में कार्य कर रही तथा अधिकतम राज्य सरकारे भाजपा समर्थित है।साथ ही जिलाध्यक्ष द्वारा भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत होने वाले कार्यक्रमों को मंडल एवं बूथ स्तर तक संपन्न करने का आह्वान किया गया।क्षेत्रीय विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने सम्मेलन संबोधित करते हुवे कहाकि मुख्यमंत्री भजनलाल ने दोनों वर्षों के बजट में कपासन विधानसभा क्षेत्र को करोड़ों रुपये की सौगात दी है।जिनके माध्यम से विधानसभा क्षेत्र का चहूंमुखी विकास होगा।इस दौरान सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन को संगठन संभाग प्रभारी हेमंत विजयवर्गीय,जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर,पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक चंडालिया, जिला महामंत्री देवी सिंह राणावत,पूर्व जिला प्रमुख सुशीला जीनगर, पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट,भूपालसागर प्रधान हेमेंद्र सिंह राणावत,जिला उपाध्यक्ष मांगीलाल अहीर आदि भाजपा पदाधिकारियों द्वारा संबोधित किया गया। यहां ग्राम सेवा सहकारी समिति कपासन अध्यक्ष एवं पूर्व वरिष्ठ नगर पालिका पार्षद नंदकिशोर टेलर के संयोजन में आयोजित उक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दिनेश पाराशर,सत्यनारायण पलोड,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वीणा दसोरा,ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष गोटूलाल सुथार,एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष पन्नालाल भील,अजा मोर्चा जिला संयोजक भागीरथ चंदेल,जिला उपाध्यक्ष पुष्पा वैष्णव,जिला मंत्री करनल सिंह,नगर पालिका कपासन अध्यक्ष मंजूदेवी सोनी,नगर पालिका आकोला अध्यक्ष तारा मालीवाल,नगर पालिका उपाध्यक्ष एजाज अली, कपासन विधानसभा के भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष कपासन पंकज सिरोया,रतनलाल अहीर,विजय सिंह चौहान,भीम सिंह झाला,शंकरलाल साहू,सुरेश जाट, आदि भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ समापन हुवे सम्मेलन में आभार अकोला मंडल अध्यक्ष भीम सिंह झाला द्वारा व्यक्त किया गया।

भगवान महावीर का जन्म कल्याणक

जजावर में प्रभात फेरी ने दिया शांति एवं अहिंसा का संदेश

बढ़ता राजस्थान

जजावर (पदम शाह)। कस्बे में गुरुवार को जैन धर्म के 24वें तीर्थकंर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक जैन समाज द्वारा उत्साह एवं आस्था के साथ मनाया गया । भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक कार्यक्रमों का शुभारंभ यहां प्रभात फेरी के साथ हुआ जिसको समाज के अध्यक्ष प्रवीणकुमार कासलीवाल ने पंच परमेष्ठी के प्रतीक ध्वज के साथ ऊषाकाल में हरी झण्डी दिखाई। यह प्रभात फेरी कस्बे के प्रमुख रास्तों से होती हुई चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर जाकर विसर्जित हुई जहां विधिवत रुप से नौ बार नवकार मंत्र के जाप के साथ प्रभात फेरी में शामिल महिलाओं ने भगवान महावीर के जन्म को लेकर बधाई का गायन किया। कासलीवाल ने बताया कि प्रभात फेरी के बाद भगवान महावीर के जन्म कल्याणक को लेकर दिनभर के सभी कार्यक्रम मंदिर मे आयोजित हुए जिनमे भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक एवं शान्तिधारा का आयोजन समाजसेवी विमलकुमार जैन के सानिध्य मे हुआ जिसके बाद विशेष पूजा अर्चना शुरु हुई एवं शांतीपाठ के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ। कासलीवाल ने बताया कि इससे पूर्व विश्व नवकार दिवस की संध्या पर चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर मे देश की खुशहाली,अमन-चैन एवं भाईचारे की भावना को लेकर नवकार महामंत्र के जाप एवं महावीर चालीसा का चालीस बार पठन का भी आयोजन किया गया जिसमें समाज की सभी लोगो ने उत्साह के साथ भाग लिया।

जन्म कल्याणक के सभी कार्यक्रमो का समापन शाम को महाआरती के साथ हुआ। महाआरती से पूर्व समाज के लोगो का सामुहिक वात्सल्य भोज का आयोजन हुआ जिसके पुण्यार्जक दुर्गालाल विमलकुमार जैन पोटल्या रहे । इस दौरान समाज के वरिष्ठ बाबूलाल जैन सहित नरेश जैन,देवेन्द्र जैन , महावीर जैन कासलीवाल, महावीर सौगाणी सहित समाज के सभी महिला पुरुष एवं बच्चे मौजूद रहे।

बायोइन्फॉर्मेटिक्स के व्यावहारिक अनुप्रयोग: जीनोमिक विश्लेषण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा में दिनांक 17 मार्च 2025 से 4 अप्रैल 2025 तक बायोइन्फॉर्मेटिक्स के व्यावहारिक अनुप्रयोग- जीनोमिक विश्लेषण विषय पर 15 दिवसीय लघु अवधि प्रमाणपत्र कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को बायोइन्फॉर्मेटिक्स और जीनोमिक विश्लेषण की नवीनतम तकनीकों एवं अनुसंधानों से अवगत कराना था।इस तीन-सप्ताहीय कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागियों को आधुनिक जैव सूचना विज्ञान की विधियों और उनके अनुप्रयोगों की गहन जानकारी प्रदान की गई।प्रथम सप्ताह में बायोइन्फॉर्मेटिक्स और जीनोमिक डेटाबेस, सीक्वेंस एलाइनमेंट, जीनोम असेंबली और एनोटेशन तथा फंक्शनल जीनोम एनोटेशन जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। प्रमुख वक्ता डॉ. टीकम चंद डाकल को एवं डॉ. अभिषेक कुमार (मणिपाल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद) रहे।द्वितीय सप्ताह में तुलनात्मक जीनोमिक्स, फाइलोजेनेटिक विश्लेषण, प्रोटीन मॉडलिंग, आणविक डॉकिंग, बायोइन्फॉर्मेटिक्स जैसे अत्याधुनिक विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए ,अलीशा परवीन (मणिपाल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद), डॉ. टीकम चंद डाकल, डॉ. अभिषेक कुमार और डॉ. अंकिता सिंह (देहरादून, उत्तराखंड) ने सहभागिता की।तृतीय सप्ताह में बायोस्टैटिस्टिक्स, वैज्ञानिक लेखन एवं प्रकाशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के जीनोमिक्स में अनुप्रयोग तथा केस स्टडीज पर केंद्रित सत्र आयोजित किए गए। इस सप्ताह के प्रमुख वक्ता रहे डॉ. हरीश एम एल एस यू, डॉ. नरोत्तम शर्मा देहरादून, उत्तराखंड) और डॉ. अंकिता सिंह देहरादून, उत्तराखंड)रहे। कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. शाहदाब हुसैन ने संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. करुनेश सक्सेना, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. डॉ. मानस रंजन पाणिग्रही, रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. राजीव मेहता एवं डीन प्रो. डॉ. प्रीति मेहता का हृदय से आभार प्रकट किया। विशेष आभार सम्माननीय विषय विशेषज्ञों डॉ. टीकम चंद डाकल, डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. अलीशा परवीन, डॉ. हरीश मंगेश, डॉ. रमेश कुमार सिंह, डॉ. अंकिता सिंह और डॉ. नरोत्तम शर्मा का, जिन्होंने अपने समय, ज्ञान और अनुभव से प्रतिभागियों को अत्यंत लाभान्वित किया। डॉ. शाहदाब हुसैन ने आयोजन समिति के समर्पित सदस्यों - डॉ. गुनमाला गुग्लिया, डॉ. रीना मोदी एवं श्री जयन्त शर्मा का भी विशेष धन्यवाद प्रकट किया, जिनकी अथक मेहनत, समर्पण और टीमवर्क के बिना यह आयोजन संभव नहीं हो पाता।

रक्तदान शिविर व सामूहिक भोज कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का किया स्वागत अभिनंदन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। श्री भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति, सकल जैन श्वेताम्बर समाज द्वारा चित्रकूट धाम में आयोजित वृहद् रक्तदान शिविर व सामूहिक भोज के भव्य कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को सकल समाज की ओर से उपरणा व शॉल व प्रभु जी की मूर्ति भेंट कर भव्य स्वागत अभिनन्दन भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी व समाज के पदाधिकारियों ने किया। संचालन भाजपा पूर्व जिला महामंत्री प्रदीप सांखला ने किया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने भगवान महावीर जयन्ती की बधाई शुभकामनाएँ देते हुए रक्तवीरों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में लोकसभा व्हिप संयोजक, भाजपा प्रदेश महामंत्री, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशान्त मेवाड़ा का भी आदर सत्कार किया। इस मौके पर समाज के महावीर चौधरी, कंवर लाल सूरिया, मीठा लाल सिंघवी, चन्द्र सिंह कोठारी, राजेन्द्र चीपड़, आनन्द चपलोत, अनिल कोठारी, राजेन्द्र सुराणा, महेन्द्र छाजेड़, अर्पित चौधरी के साथ ही उपमहापौर रामनाथ योगी, भाजपा के बाबू लाल टाक, नंद लाल गुर्जर, कल्पेश चौधरी, अविनाश जीनगर, राजेश सेन, अनिल चौधरी, पार्षद ओम पाराशर, मधु शर्मा, गौतम शर्मा, लंकेश शर्मा, कमल कोठारी, महेंद्र सिंघवी मनीष बंब, एडवोकेट अर्पित कोठारी, गजेन्द्र सिंह राठौड़, दिनेश सुथार के साथ ही सैंकड़ों पार्टी कार्यकर्त्ता व गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

महावीर जयंती जुलूस का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। नगर कांग्रेस कमेटी कपासन द्वारा महावीर जयंती पर सकल जैन समाज द्वारा महावीर जन्मकल्याणक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित जुलूस पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प वर्षाकर स्वागत अभिनंदन किया गया।इस दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष शंकरलाल प्रजापत, सेवादल नगर अध्यक्ष भवानीशंकर लोहार,नगर कांग्रेस महासचिव राकेश बारेगामा,लक्ष्मीनारायण व्यास,पूर्व ब्लॉक प्रवक्ता मधुसूदन कुमावत,राजस्थान आईटी सेल महासचिव अकरम मंसूरी,अशोक लोहार,पुखराज गर्ग,महासचिव मनीश सोनी आदि कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

समृद्धि ग्रुप द्वारा पक्षियों के लिये परिंडे बांधे

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। झालावाड़ जिले के चौमहला मै गर्मियों में पक्षियों को राहत देने के उद्देश्य से कस्बे के समृद्धि ग्रुप द्वारा पक्षियों के लिये परिंडे बांधे गए। आदर्श विद्या मंदिर,माँ दुर्गा माता मंदिर, श्री गणपति मंदिर एवं श्री राम मंदिर परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए।समृद्धि ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती दिव्या जैन ने बताया की समृद्धि ग्रुप का यह प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

अधिकारी मस्त हैं जनता पानी के लिए त्रस्त है

बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने की पेयजल व्यवस्था पर चिंता व्यक्त

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। विधानसभा विधायक हरिमोहन शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र बूंदी सहित बूंदी शहर की पेयजल व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की शर्मा ने बताया कि अभी गर्मी का प्रारंभ हुआ है और पेयजल व्यवस्था चरमरा गई है अधिकारियों का इस व्यवस्था पर कोई कंट्रोल नहीं है अभी से ही बूंदी शहर की विभिन कॉलोनी में पानी एक से दो दिन में पहुंच रहा है और 5 से 10 मिनट की पेय जल आपूर्ति हो पा रही है । शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा उनके अनुशंसा पर बूंदी की पेयजल आपूर्ति की मात्रा बढ़ाने के लिए करोड़ों रुपए की योजना स्वीकृत करवाई गई थी परंतु उसका कार्य भी अभी तक वर्तमान सरकार द्वारा पूरा नहीं करवाया गया है और मांगली नदी में जिन मोटरों को बदलना था वह भी अभी तक नहीं बदली गई है साथ ही शर्मा ने कहा कि अमृत पेय जल योजना की धीमी गति के कारण बूंदी शहर के कई हिस्सों में अभी कार्य बाकी है जिसे भी सही मात्रा में लोगों की पेयजल आपूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है ।

3 साल पहले स्वीकृत हुई गरड़दा पेयजल परियोजना हेतु अब तक विभाग नहीं बनवा सका इंटेक वेल : शर्मा ने कहा कि पूर्व में 280 करोड़ की लागत से बूंदी विधानसभा की पेयजल व्यवस्था को सुधारने के लिए गरडदा पेयजल परियोजना का कार्य स्वीकृत हुआ था परंतु उसके कुछ समय पश्चात सरकार बदलने के बाद इस योजना का कार्य धीमा पड़ गया और अभी तक बांध के भीतर इंटेक वेल का निर्माण कार्य भी प्रारंभ नहीं हो पाया है इस योजना का कार्य अगर समय पर पूर्ण नहीं हुआ इससे आने वाले समय में पेयजल आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट उत्पन्न होगा! साथ ही भीलवाड़ा पेयजल क्लस्टर योजना की बरड (डाबी) क्षेत्र के गावों में भी पेयजल व्यवस्था बिगडी हुई हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा बजट घोषणा में स्वीकृत हेड पंप और ट्यूबवेल का नहीं अता पता : विधायक शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट घोषणा में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 ट्यूबवेल और 20 हेड पंप को लगवाने की स्वीकृति दी गई थी उनका कार्य भी अभी जमीनी स्तर पर नहीं दिख पाया है साथ ही मेरे द्वारा पेयजल व्यवस्था को सुचारू रूप से चलने के लिए विभाग को जो कार्य योजना बना कर दी गई थी उसे पर भी अभी कोई कार्रवाई नहीं की गई है ।

विधायक हरिमोहन शर्मा ने कसा सरकार पर तंज : विधायक हरिमोहन शर्मा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री वसुंधरा राजे द्वारा पेयजल व्यवस्था के प्रति चिंता व्यक्त करना जायज है इस सरकार में अधिकारी मस्त और जनता त्रस्त है । मेरा विभाग के अधिकारियों एवं सरकार से निवेदन है कि आने वाले समय में आम जन को पानी की कोई समस्या ना हो इसलिए अभी से ही सुचारू रूप से पेयजल व्यवस्था को सुधार कर आगे की कार्य योजना तय कर उसकी क्रियान्वित्ती कर देनी चाहिए थी । इसकी में कड़े शब्दों में निंदा करता हूं ।

शंभूपुरा में अग्रवाल समाज ने महावीर जयंती के विशाल शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा से स्वागत

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (नि.स.)। चित्तौड़गढ़ के शंभूपुरा में अग्रवाल समाज की ओर से भगवान महावीर स्वामी की जयंती के उपलक्ष में जैन समाज की ओर से उल्हास के साथ विशाल शोभायात्रा जुलूस,पर गुलाबों की पंखुड़ियां से स्वागत अभिनंदन किया ।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार के जिला अध्यक्ष व भाजपा नेता राजू अग्रवाल शंभूपुरा ने बताया जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जयंती की विशाल शोभायात्रा नगर भ्रमण पर निकली अग्रवाल समाज की ओर से गुलाब की पंखुड़ियां से पुष्प वर्षा की गई कुल्फी से स्वागत किया गया राजू अग्रवाल ने कहा है कि पूरे विश्व को अहिंसा का मार्ग बताने वाले जियो और जीने दो का संदेश देने वाले वीर प्रभु महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर बताए हुए रास्ते पर चलकर पूरे विश्व को शांति और अहिंसा में बताएं अहिंसा परमो धर्म अहिंसा सबसे बड़ा धर्म स्वयं जीवों और दूसरे को भी जीने दो ,यही सुख शांति का मूल है ।

किराए पर गाड़ियां लेकर नशा तस्करों को बेचने वाली गैंग के पांच बदमाश गिरफ्तार

- आरोपियों के पास से किराए पर ली गई स्कॉर्पियो व थार जीप बरामद
- अजमेर जेल से योजना कर गाड़ियों की खरीद-फरोख्त करना आया सामने

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। करधनी थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) जयपुर पश्चिम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए किराए पर गाड़ियां लेकर नशा तस्करों के बेचने वाली गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से किराए पर ली गई स्कॉर्पियो व थार जीप बरामद की है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित अजमेर जेल से योजना कर गाड़ियों की खरीद-फरोख्त करना सामने आया है। पुलिस पूछताछ कर गैंग के फरार साथियों की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस और (डीएसटी) जयपुर पश्चिम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए किराए पर गाड़ियां लेकर नशा तस्करों के बेचने वाली गैंग के आरोपित मनीष यादव (24) निवासी बहरोड-कोटपूतली, रामलाल (60) निवासी सरदार शहर जिला चुरू, अंशु सिंह (26) निवासी मांण्डल जिला बहरोड-कोटपूतली, कर्मवीर सिंह उर्फ मोनू बन्ना (33) निवासी मांण्डल जिला बहरोड-कोटपूतली और विजय कुमार उर्फ बिज्जु साहवा (44) निवासी सावा जिला चूरू को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी विजय कुमार उर्फ बिज्जु साहवा के खिलाफ 11 और अंशु सिंह के खिलाफ 6 आपराधिक मामले दर्ज है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से किराए पर लेकर बेची गई स्कॉर्पियो व थार जीप बरामद की गई है। थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि थाने में 9 मार्च को राजेन्द्र सिंह ने मामला दर्ज करवाया था कि उसका जानकार रवि गुर्जर किसी काम के लिए उससे स्कॉर्पियो लेकर गया था। रवि गुर्जर से उसका जानकार मोहित सोनी व संदीप यादव शादी में जाने की बोल कर स्कॉर्पियो सीकर लेकर गए थे। जिन्होंने स्कॉर्पियो नहीं लौटाई और जीपीएस चेक करने पर बंद आ रहा है। पुलिस जांच में सामने आया कि मोहित सोनी ने स्कॉर्पियो व थार किराए पर मनीष यादव को दी है। उसकी आईडी फेक होने के साथ ही मोबाइल बंद आ रहा है। पुलिस ने किराए पर कार लेने वाले मनीष यादव की तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी मनीष यादव को धर-दबोचा।

जहां पूछताछ में मनीष यादव से सामने आया कि हत्या के मामले में अलवर जेल में बंद जयंत यादव उसका जानकार है। कुछ दिन पहले जेल में मुलाकात हो जाने पर जयंत यादव ने कहा था कि उसका कोई दोस्त आएगा। इसके साथ उसे यपुर से किराए की कार लेनी है। फेक आईडी की व्यवस्था में कर देगा। बस उसे उसके साथ जाकर दो गाड़ी लेने की व्यवस्था करनी है। इसके बाद जयपुर आकर मोहित से मिलकर थार और स्कॉर्पियो किराए पर लेने की बात की। अजमेर जेल में बंद जयंत की ओर से भिजवाई आईडी देकर थार और स्कॉर्पियो किराए पर ली।

जयंत के भेजे लड़के ने वॉट्सऐप कॉल पर बात की और उसके बाद वह दोनों गाड़ियां लेकर चला गया। जहां जयंत के कहने पर सीकर के पास दोनों गाड़ियां उसके साथी अंशु सिंह व कर्मवीर सिंह को देकर आ गया। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई कर अंशु सिंह व कर्मवीर सिंह की जानकारी जुटाई। पुलिस टीम ने दबिश देकर दोनों आरोपी अंशु सिंह व कर्मवीर सिंह को धर-दबोचा।

भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव हुआ संपन्न
'जय महावीर' के जयकारे गूंजे, शोभायात्रा निकली

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। श्री सकल जैन संघ के तत्वावधान में आयोजित भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव धर्म, ध्यान एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जैन समाज के श्रद्धालुओं ने सुबह ओसवाल पंचायती नोहरे में एक स्वर में नवकार मंत्र का जाप, भक्तामर स्त्रोत एवं प्रभु स्तवन का भावपूर्ण रसास्वादन किया। कार्यक्रम में अनेक स्वधर्मी बन्धु एवं भगिनीओं ने भाग लिया।

इस मौके पर शहर में एक शोभायात्रा शांतिनाथ जैन मन्दिर (पाली बाजार) से निकाली गई। जिसमें जैन पताकाएँ, रथ, जीवन चरित्र पर झांकियां, बैंड एवं ढोल-नगाड़ों के मधुर समन्वय देखा गया। विभिन्न संघों केसदस्यों ने श्वेत वस्त्र धारण किये हुए थे वहीं महिलायें चुण्डडी वेशभूषा में जय महावीर के नारे लगाते हुए पूरे शहर को जैनमय कर दिया। शोभायात्रा में कुल 11 आकर्षक झांकियां थी जिसमें बीरबल का नृत्य, अमिताभ बच्चन, गोविन्दा व अनिल कपूर डुप्लीकेट के नाटकीय एवं नृत्य प्रस्तुतिकरण ने भी इस शोभायात्रा में समां बांधी।

जैन स्कूल के बच्चों द्वारा जीओ और जीने दो का संदेश लिए अहिंसा रैली निकाली, जिसमें सभी को महावीरवाणी का संदेश दिये हुआ था। समाज के लोगों द्वारा सामुहिक स्नेह भोज का भी आयोजन किया गया। विनोद नगर जैन जवाहर भवन एवं महावीर भवन में हजारों स्वधर्मी बन्धुओं ने लजीज प्रसाद का आनन्द लिया। वरिष्ठजनों ने विशेष बैठकर भोजना व्यवस्था का आनन्द लिया। सम्मान एवं पुरस्कार वितरण में सर्वोत्तम झांकियों एवं प्रतिभागी बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वीमा नाहर ने किया। इस कार्यक्रम में राजसमन्द की सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, विधायक शंकरसिंह रावत, नि. सभापति नरेश कन्नोजिया, नि. उपसभापति रिखबचन्द खटोड, जयकिशन बल्दुआ सहित कई लोग उपस्थित थे।

श्री सकल जैन संघ ने समस्त सहयोगियों, जैन समाज के विभिन्न संघों, युवा एवं महिला मंडलों, पुलिस-प्रशासन, मीडिया बन्धुओं एवं कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक पर गाजे बाजे से रथयात्रा निकाली
भगवान महावीर के जयकारों से गुंज उठा निवाई शहर

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में महावीर जयंती एवं जन्म कल्याणक महोत्सव के दो दिवसीय मेले को लेकर भगवान महावीर एवं पारसनाथ की रथयात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मीडिया प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि महोत्सव को लेकर रथयात्रा से पूर्व सर्व प्रथम आचार्य विद्वानों द्वारा भगवान महावीर को गाजे बाजे के साथ भगवान महावीर एवं पारसनाथ जी को रथ में विराजमान किया गया। इस दौरान शोभायात्रा का जुलूस बड़ा मंदिर से बैंड बाज के मधुर भजनों के साथ रवाना हुआ। रथयात्रा में महिला मंडल की महिलाएं व बालिका मंडल की बालिकाए भक्ति नृत्य करते हुए भगवान महावीर की जयकारा लगाते हुए चल रही थी। जैन समाज के युवा भक्ति नृत्य के साथ भगवान महावीर के नारे लगाते हुए चल रहे थे। जिसके दौरान आस-पास का वातावरण भगवान महावीर के जयकारों से गुंज उठा। रथयात्रा में पीली काठ के रथ में विराजमान भगवान महावीर व पारसनाथ भगवान को राजेशकुमार व नरेश कुमार जौंला को सारथी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रथ में खजान्ची बनने का सौभाग्य गोपाल लाल, शंभु कुमार जैन कठमाणा को मिला। भगवान के चंवर ढुराने का सौभाग्य विमल झिलाय एवं नितिन गोधा को मिला व भगवान की माला पहनने का सौभाग्य ललितकुमार सर्राफ को मिला। भगवान महावीर को राजेश सांवलिया ने रथ में विराजमान किया। श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत करते हुए जलपान, अल्पाहार एवं शरबत वितरित की। हितेश छाबड़ा ने बताया कि रथ यात्रा का विशाल जुलूस श्री दिगंबर जैन बड़े मंदिर से रवाना होकर कायस्थों का मोहल्ला, पटेल रोड, बड़ा बाजार, सब्जी मंडी, बिलाला चोक, बिचला जैन मंदिर, चौहटी बाजार, गंणगौरी बाजार व पुलिस थाना होता हुआ पारसनाथ उद्यान नसियां मंदिर पहुंचा। जहां आर्यिका श्रुतमति, सुबोध मति एवं विशेष मति माताजी के सानिध्य में कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। रथ यात्रा में ओमप्रकाश चंवरिया, नेमीचन्द गंगवाल, महावीरप्रसाद पराणा, सुशील आरामशीन, जितेन्द्र जैन, हुकमचन्द जैन, शिखरचन्द काला, विष्णु बोहरा, योगेन्द्र सिंहल, अमित कटारिया, नितिन छाबडा, बंटी जैन, लालचन्द जैन, राजेन्द्र बगडी, हितेश छाबडा, महेन्द्र सारसोप, जयन्त जैन, मोहित चंवरिया, दिलीप भाणजा व संजय सिरस सहित कई जैन समाज के लोग शामिल थे।

आईसीएआई भवन में ई-टैक्स ऑफिसर सॉफ्टवेयर एवं आईटीएमएस पोर्टल पर सेमिनार व ओरिएंटेशन का सफल आयोजन

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। राजस्थान सरकार के राज्य जीएसटी विभाग एवं इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ब्यावर ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में टैक्स प्रणाली के डिजिटलीकरण और करदाताओं की सुविधा हेतु दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन ब्यावर स्थित आईसीएआई भवन में किया गया।

इन आयोजनों का उद्देश्य नवीन तकनीकी समाधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कर अनुपालन को सुगम बनाना रहा।

ई-टैक्स ऑफिसर सॉफ्टवेयर पर सेमिनार : आईसीएआई भवन में आयोजित इस सेमिनार में राज्य जीएसटी विभाग के उप आयुक्त श्री मनोज डांगी एवं संयुक्त आयुक्त श्रीमती सर्वेश्वर राठौड़ ने ई-टैक्स ऑफिसर सॉफ्टवेयर के कार्यप्रणाली, लाभ और नवाचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह सॉफ्टवेयर करदाताओं के लिए एक उपयोगी टूल सिद्ध होगा, जो टैक्स से जुड़ी त्रुटियों की पहचान कर उन्हें सुधारने का अवसर देगा, जिससे गैर-इरादतन त्रुटियों से बचा जा सकेगा। कार्यक्रम का संचालन सीए आभास हालाखंडी ने किया। वरिष्ठ अधिकारियों श्री ओम गुजर, श्री कमल आसुदानी, श्री फतेहचंद आहूजा एवं श्रीमती रजनी अग्रवाल ने भी इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाई। सेमिनार में सीए एवं कर सलाहकार समुदाय से श्याम सुंदर गुप्ता, सुन्दरनारायण शर्मा, प्रदीप गर्ग, आशय छाल्लानी, हीरेन भंडारी, नरेश सिंघल एवं निर्मल मेहता जैसे अनुभवी विशेषज्ञों ने भाग लिया।

साथ ही, शहर के प्रतिष्ठित व्यापारीगण - श्री प्रकाश अंबुरे, विजय ओस्तवाल, नवीन मुंदड़ा, यश मुंदड़ा एवं प्रेरक जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को बढ़ाया। अधिकारियों ने बताया कि यह पोर्टल करदाताओं को उनकी फाइलिंग में संभावित त्रुटियों की समय रहते सूचना देता है, जिससे वे समय पर सुधार कर सकते हैं। यह पोर्टल जीएसटी से जुड़ी गतिविधियों का 360 डिग्री अवलोकन प्रस्तुत करता है, जो पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुनिश्चित करता है।उपस्थित करदाताओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर विशेषज्ञों द्वारा तुरंत दिया गया, जिससे सहभागियों को गहन समझ प्राप्त हुई।

इस कार्यक्रम में भी संयुक्त आयुक्त राज्य कर सर्वेश्वर राठौड़ एवं उप आयुक्त मनोज डांगी की उपस्थिति रही, जिन्होंने करदाताओं को ई-गवर्नेंस के इस आधुनिक उपकरण के प्रभावी उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया।

ब्यावर में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों की आस्था पर उठे सवाल

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। राजस्थान सरकार के राज्य जीएसटी विभाग एवं इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ब्यावर ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम ने जहां एक ओर टैक्स प्रणाली के डिजिटलीकरण व करदाताओं की सुविधा की दिशा में सराहनीय पहल की, वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम के आरंभिक क्षणों में हुई एक घटना चर्चा का विषय बन गई।कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई, जहां परंपरागत रूप से आयोजकों ने श्रद्धा भाव से अपने जूते-चप्पल उतारकर पूजन स्थल पर उपस्थिति दर्ज कराई। लेकिन आश्चर्य की बात यह रही कि राज्य जीएसटी विभाग से आए वरिष्ठ अधिकारी - उप आयुक्त मनोज डांगी एवं संयुक्त आयुक्त श्रीमती सर्वेश्वर राठौड़ - ने माँ सरस्वती की अराधना करते समय जूते-चप्पल उतारने की जरूरत तक नहीं समझी।इस पूरे घटनाक्रम को लेकर उपस्थित लोगों में खासी नाराजगी देखी गई। कई लोगों ने इसे अधिकारियों की लापरवाही तो कुछ ने अहम की भावना बताया। सवाल यह भी उठे कि क्या ऐसे लोग अपने घरों में भी पूजन या धार्मिक कार्यक्रमों में इसी तरह आचरण करते हैं? धार्मिक परंपराओं व भावनाओं का सम्मान करना सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का हिस्सा है। और जब ऐसे कार्यक्रम सार्वजनिक मंच पर हों, तो आचरण और भी अधिक जिम्मेदारी से होना चाहिए, एक स्थानीय नागरिक ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा।ब्यावर की यह घटना सिर्फ एक कार्यक्रम की बात नहीं, बल्कि उस मानसिकता की भी झलक देती है जहां पद और प्रतिष्ठा, संवेदनशीलता और आस्था से ऊपर नज़र आने लगती है।

गोरम घाट के जंगल में व देलवाड़ा पुलिस थाने के सामने पहाड़ी पर भीषण आग, रास्ते के अभाव में दमकलें बेबस

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। जिले में देलवाड़ा पुलिस थाने के ठीक सामने स्थित पहाड़ी पर शाम भयानक आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई दे रहा है, जिससे आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। उदयपुर नगर निगम और नाथद्वारा नगर पालिका से दो दमकल गाडियां मौके पर पहुंची, लेकिन पहाड़ी तक सीधा रास्ता न होने के कारण उन्हें आग बुझाने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। दमकल कर्मियों को आग के स्रोत तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों की तलाश करनी पड़ रही है, जिसमें काफी समय लग रहा है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग तेजी से फैल रही है और पहाड़ी पर मौजूद झाडियां और सूखे पेड़ इसकी चपेट में आ गए हैं। प्रशासन और पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। हालांकि, दुर्गम रास्ते के कारण आग पर काबू पाने में कितना समय लगेगा, यह कहना मुश्किल है।

स्थानीय लोग कर रहे हैं बुझाने का प्रयास : जिले के गोरम घाट के जंगल में केरुंदा की नाल के आसपास अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैल रही है, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय काछबली और मंडावर गांव के बड़ी संख्या में लोग आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे हैं।

दमकल विभाग के वाहनों के लिए जंगल में पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है, इसलिए स्थानीय लोग अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं।फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

हालांकि, गर्मी के मौसम में सूखी घास और पेड़ों के कारण आग तेजी से फैल रही है। आग के कारण जंगल के बड़े हिस्से को नुकसान पहुंचने की आशंका है। इसके अलावा, वन्यजीवों और स्थानीय वनस्पतियों को भी खतरा है।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने एनएच 58 व फ्लाईओवर का किया निरीक्षण, ब्यावर गैस रिसाव पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया और आमजन से संवाद करते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

उन्होंने सबसे पहले ब्यावर से भीम के बीच नंदावता गांव में निर्माणाधीन फ्लाईओवर का जायजा लिया। इस दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर हरेंद्र सिंह, आशीष सहित अन्य अधिकारियों से चर्चा कर कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि इस फ्लाईओवर के निर्माण से ट्रैफिक जाम की समस्या दूर होगी और आमजन का आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुगम हो सकेगा। इसके बाद सांसद मेवाड़ ने पीपली चौराहा पर भीम से गोमती तक एनएच 58 के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर प्रोजेक्ट मैनेजर सुधीर यादव और महाप्रबंधक किरण सिंह राव उपस्थित थे। सांसद ने कार्य की गुणवत्ता और गति बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही, निर्माण में लगे श्रमिकों से बातचीत करते हुए उन्हें गर्मी में आवश्यक सावधानी और सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी।

ब्यावर पहुंचने पर स्थानीय विधायक कार्यालय में विधायक श्री शंकर सिंह रावत व भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद का स्वागत किया। इस अवसर पर नवगठित पंचायत बड़िया अजबा के गठन को लेकर कार्यकर्ताओं ने आभार प्रकट किया।

इसके पश्चात सांसद महोदया ने हाल ही में ब्यावर क्षेत्र में हुई नाइट्रोजन गैस रिसाव की दर्दनाक घटना में दिवंगत लोगों के परिजनों से सरगांव सहित तीन स्थानों पर जाकर भेंट की और उन्हें सांत्वना देते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

इसके बाद सांसद एवं विधायक ने श्री सकल जैन समाज, ब्यावर द्वारा आयोजित महावीर जयंती महोत्सव में भाग लिया और समाज को शुभकामनाएं दीं।

अपने दौरे के अंतिम चरण में सांसद एवं विधायक जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहाँ उन्होंने जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से पर्यावरण संरक्षण, युवाओं के कौशल विकास हेतु स्किल सेंटर की स्थापना और व्यापक वृक्षारोपण अभियान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। सांसद ने निर्देश दिए कि पर्यावरण संतुलन, युवाओं के सशक्तिकरण और हरियाली बढ़ाने के प्रयासों को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना ओमप्रकाश बैरवा के लिए बनी आर्थिक सहारा
बेटी के विवाह उपरांत मिली 51 हजार की सहायता

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राजस्थान सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिल रही है। ऐसा ही एक उदाहरण सामने आया है सवाई माधोपुर के वार्ड नं. 32 निवासी ओमप्रकाश बैरवा का, जो बीपीएल श्रेणी में आते हैं। ओमप्रकाश बैरवा ने उनकी पुत्री आरती बैरवा के विवाह उपरांत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत ऑनलाईन आवेदन विभाग के ब्लॉक स्तरीय कार्यालय में प्रस्तुत किया। आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति के बाद उन्हें पात्रतानुसार 51 हजार रूपये की सहायता राशि स्वीकृत हुई।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंति आज

दलितों को बराबरी का दर्जा दिखाने के लिए आजीवन कार्य करते रहे ज्योतिबा फुले

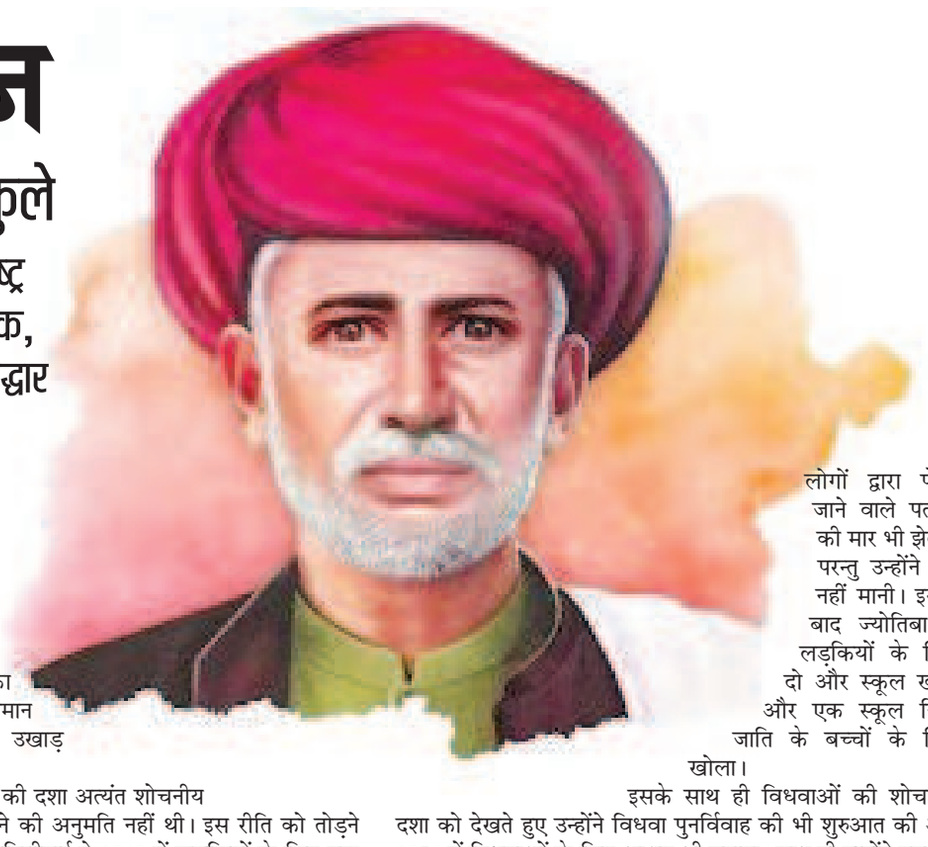

भारतीय सामाजिक क्रांति के जनक कहे जाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सातारा जिले में माली जाति के एक परिवार में हुआ था। वे एक महान विचारक, कार्यकर्ता, समाज सुधारक, लेखक, दार्शनिक, संपादक और क्रांतिकारी थे। उन्होंने जीवन भर निम्न जाति, महिलाओं और दलितों के उद्धार के लिए कार्य किया। इस कार्य में उनकी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले ने भी पूरा योगदान दिया।

महात्मा फुले का बचपन अनेक कठिनाइयों में बीता। वे महज 9 माह के थे जब उनकी मां का देहांत हो गया। आर्थिक तंगी के कारण खेतों में पिता का हाथ बंटाने के लिए उन्हें छोटी उम्र में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ी। लेकिन पड़ोसियों ने उनकी प्रतिभा का पहचाना और उनके कहने पर पिता ने उन्हें स्कॉटिश मिशन्स हाई स्कूल में दाखिला करा दिया। मात्र 12 वर्ष की उम्र में उनका विवाह सावित्रीबाई फुले से हो गया। ज्योतिबा के जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ वर्ष 1848 में आया जब वे अपने एक ब्राह्मण मित्र की शादी में हिस्सा लेने के लिए गए। शादी में दूल्हे के रिश्तेदारों ने निम्न जाति का होने के कारण उनका अपमान किया। इसके बाद उन्होंने तय कर लिया कि वे सामाजिक असमानता को उखाड़ फेंकने की दिशा में कार्य करेंगे क्योंकि जब तक समाज में स्त्रियों और निम्न जाति वालों का उत्थान नहीं होगा जब तक समाज का विकास असंभव है। 1791 में थॉमस पैन की किताब राइट्स ऑफ मैन ने उन्हें बहुत प्रभावित किया।

समाजोत्थान के अपने मिशन पर कार्य करते हुए ज्योतिबा ने 24 सितंबर 1873 को अपने अनुयायियों के साथ सत्यशोधक समाज नामक संस्था का निर्माण किया। वे स्वयं इसके अध्यक्ष थे और सावित्रीबाई फुले महिला विभाग की प्रमुख। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य शूद्रों और अति शूद्रों को उच्च जातियों के शोषण से मुक्त कराना था। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने वेदों को ईश्वर रचित और पवित्र मानने से इंकार कर दिया। उनका तर्क था कि यदि ईश्वर एक है और उसी ने सब मनुष्यों को बनाया है तो उसने केवल संस्कृत भाषा में ही वेदों की रचना क्यों की? उन्होंने इन्हें ब्राह्मणों द्वारा अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए लिखी गई पुस्तकें कहा। उस समय ऐसा करने की हिम्मत करने वाले वे पहले समाजशास्त्री और मानवतावादी थे। लेकिन इसके बावजूद वे आस्तिक बने रहे। उन्होंने मूर्ति पूजा का भी विरोध किया और चतुर्वर्णीय जाति व्यवस्था को ठुकरा दिया। इस संस्था ने समाज में तर्कसंगत विचारों को फैलाया और शैक्षणिक और धार्मिक नेताओं के रूप में ब्राह्मण वर्ग को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। सत्यशोधक समाज के आंदोलन में इसके मुखपत्र दीनबंधु प्रकाशन ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोल्हापुर के शासक शाहू महाराज ने इस संस्था को भरपूर वित्तीय और नैतिक समर्थन प्रदान किया। महात्मा फुले ने दलितों पर लगे अछूत के लांछन को धोने और उन्हें बराबरी का दर्जा दिलाने के भी प्रयत्न किए। इसी दिशा में उन्होंने दलितों को अपने घर के कुंए को प्रयोग करने की अनुमति दे दी। शूद्रों और महिलाओं में अंधविश्वास के कारण उत्पन्न हुई आर्थिक और सामाजिक विकलांगता को दूर करने के लिए भी उन्होंने आंदोलन चलाया। उनका मानना था कि यदि आजादी, समानता, मानवता, आर्थिक न्याय, शोषणरहित मूल्यों और भाईचारे पर आधारित सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना है तो असमान और शोषक समाज को उखाड़ फेंकना होगा।

उस समय लड़कियों की दशा अत्यंत शोचनीय थी और उन्हें पढ़ने लिखने की अनुमति नहीं थी। इस रीति को तोड़ने के लिए ज्योतिबा और सावित्रीबाई ने 1848 में लड़कियों के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। यह भारत में लड़कियों के लिए खुलने वाला पहला विद्यालय था। सावित्रीबाई फुले स्वयं इस स्कूल में लड़कियों को पढ़ाने के लिए जाती थीं। लेकिन यह सब इतना आसान नहीं था। उन्हें लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। यहां तक कि उन्होंने लोगों द्वारा फेंके जाने वाले पत्थरों की मार भी झेली। परन्तु उन्होंने हार नहीं मानी। इसके बाद ज्योतिबा ने लड़कियों के लिए दो और स्कूल खोले और एक स्कूल निम्न जाति के बच्चों के लिए खोला।

इसके साथ ही विधवाओं की शोचनीय दशा को देखते हुए उन्होंने विधवा पुनर्विवाह की भी शुरुआत की और 1854 में विधवाओं के लिए आश्रम भी बनाया। साथ ही उन्होंने नवजात शिशुओं के लिए भी आश्रम खोला ताकि कन्या शिशु हत्या को रोका जा सके। 28 नवम्बर 1890 को महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद उनके अनुयायियों ने सत्य शोधक समाज को दूर-दूर तक पहुंचाने का कार्य किया।

जाति आधारित विभाजन और भेदभाव के खिलाफ थे ज्योतिबा फुले

महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल, 1827 को पुणे में हुआ था। उन्होंने स्त्री शिक्षा और स्त्रियों के उत्थान के लिए काफी कार्य किये। उनका असली नाम ज्योतिराव गोविंदराव फुले था। वह 19वीं सदी के एक बड़े समाज सुधारक, सक्रिय प्रतिभागी तथा विचारक थे। ज्योतिबा फुले भारतीय समाज में प्रचलित जाति आधारित विभाजन और भेदभाव के खिलाफ थे। उन्होंने विधवाओं और महिलाओं के कृयाण के लिए काफी काम किया। उन्होंने इसके साथ ही किसानों की हालत सुधारने और उनके कृयाण के लिए भी काफी प्रयास किये। स्त्रियों की दशा सुधारने और उनकी शिक्षा के लिए ज्योतिबा ने 1854 में एक स्कूल खोला। यह इस काम के लिए देश में पहला विद्यालय था। लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री को इस योग्य बना दिया। उच्च वर्ग के लोगों ने आरंभ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए तो उनके पिता पर दबाव डालकर पति-पत्नी को घर से निकलवा दिया इससे कुछ समय के लिए उनका काम रुका अवश्य, पर शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल खोल दिए। 24 सितंबर 1873 को दलितों और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने 'सत्यशोधक समाज' स्थापित किया। उनकी समाजसेवा देखकर 1888 ई. में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें 'महात्मा' की उपाधि दी गयी। ज्योतिबा ने ब्राह्मण-पुरोहित के बिना ही विवाह-संस्कार आरंभ कराया और इसे मुंबई हाईकोर्ट से भी मान्यता मिली। वे बाल-विवाह विरोधी और विधवा-विवाह के समर्थक थे। उनके आयुष्य में महत्वपूर्ण बदलाव तब आया जब उनके मुस्लिम तथा इसाई पड़ोसियों ने उनकी अपार बुद्धिमत्ता को पहचानते हुए ज्योतिराव के पिता को ज्योतिराव को वहां के स्थानिक स्कोटीश मिशुनस हाई स्कूल में भर्ती करने के लिए राजी किया। अछूतोद्धार के लिए ज्योतिबा ने उनके अछूत बच्चों को अपने घर पर पाला और अपने घर की पानी की टंकी उनके लिए खोल दी। परिणामस्वरूप उन्हें जाति से बहिष्कृत कर दिया गया। समाज सेवा के कार्यों से उनकी बढ़ती ख्याति देखकर प्रतिक्रियावादियों ने एक बार दो हत्यारों को उन्हें मारने के लिए तैयार किया था, पर वे ज्योतिबा की समाजसेवा देखकर उनके शिष्य बन गए। दलितों और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने सत्यशोधक समाज स्थापित किया। उनकी समाजसेवा देखकर 1888 ई. में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें महात्मा की उपाधि दी। वह बाल-विवाह विरोधी और विधवा-विवाह के समर्थक थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले : समाज में फैली कुरीतियों को दूर कर समरसता लाने का किया प्रयास

'मनुष्य जाति एक है' इस आदर्श को आचरण तक लाने एवं अस्पृश्यता के संस्कारों को स्वस्थता देने में जिन महापुरुषों ने अनूठे उपक्रम किये, उनमें महात्मा ज्योतिबा फूले का अविस्मरणीय योगदान है। वे 19वीं सदी के महान समाज सुधारक, विचारक, दार्शनिक और लेखक थे। उन्होंने भारतीय समाज में फैली अनेक कुरीतियों को दूर कर हिंदू समाज में समरसता लाने का प्रयास किया। उनके द्वारा किए गए कार्यों से भारतवर्ष में एक नई चेतना एवं नये विश्वास का विकास हुआ और समाज के उस तबके को जीने की नई राह मिली जो अभी तक दुनिया के विकास की रोशनी से वंचित था। वंचितो, शोषितों और समाज में हाशिए पड़े हुए लोगों के उत्थान के लिए उन्होंने कई कृयाणकारी कार्य किए और समाज में अलग-थलग रह रहे लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। वे सशक्त, संतुलित, जातिवाद एवं रूढ़ि-आडम्बरमुक्त भारत निर्माण के पुरोधा थे। उनकी मानवीय संवदेनाओं ने केवल दलितों, वंचितों एवं अभावग्रस्तों को ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता को करुणा से भिगोया था।

महात्मा ज्योतिबा फूले ने एक बार जो संकृप कर लिया और विश्वास के साथ हाथ में साहसी मशाल थाम ली तो फिर उनके कदम कभी, कहीं रूके नहीं। चलते चले, चलते चले। संघर्षों के तूफान भी उठें तो अपनी आदर्श समाज निर्माण की किश्ती को स्वयं के विवेक, साहस एवं आत्म विश्वास से किनारा दिया, क्योंकि रास्ते बनते नहीं, बनाये जाते हैं। उनके भीतर दीपक पर मर मिटने वाले पतंगों जैसी गहरी समर्पण निष्ठा थी। आपने अपने साध्य को सदा शुद्ध साधन से जोड़े रखा। इसीलिये सत्ता और पद का मद आपको छू न सका। यश और प्रतिष्ठा आपको गर्वित नहीं सकी। आलोचना एवं संघर्ष आपके कद को छोटा नहीं कर सका। उन्होंने सबको ऊंची उड़ान भरने के लिये खुला आसमां दिया, वे बुराइयों के विरूद्ध संघर्ष काते रहे, आदमी को सही मायने में आदमी बनाने एवं उसके अधिकारों को उचित जगह दिलाने के लिये। उनका सम्पूर्ण जीवन सुधारवादी समाज-निर्माण के कार्यों एवं उपक्रमों की प्रयोगशाला था। इसलिये आपका अखण्ड व्यक्तित्व नमनीय बन गया।

महात्मा ज्योतिबा फूले का जन्मे 11 अप्रैल 1824 को पुणे में हुआ था, उनकी माता का नाम चिमणाबाई तथा पिता का नाम गोविंदराव था। एक वर्ष की अवस्था में इनकी माता का निधन हो गया। इनका लालन-पालन एक बाई ने किया था। इन्हें महात्मा फुले, ज्योतिराव फुले और ज्योतिबा फुले के नाम से जाना जाता है। उनका परिवार कई पीढ़ी पहले सतारा से पुणे आकर फूलों के गजरे आदि बनाने का काम करने लगा था इसलिए माली के काम में लगे ये लोग 'फुले' के नाम से जाने जाते थे। ज्योतिबा ने प्रारंभ में मराठी में अध्ययन किया, बीच में पढाई छूट गई और बाद में 21 वर्ष की उम्र में अंग्रेजी की सातवीं कक्षा की पढाई पूरी की। इनका विवाह 1840 में सावित्री बाई से हुआ, जो बाद में स्वयं एक प्रसिद्ध समाजसेवी बनीं। दलित और स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में पति-पत्नी दोनों ने मिलकर काम किया। वे एक कर्मठ और समाजसेवी की भावना रखने वाले व्यक्ति थे। फुले समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान करने के प्रबल समर्थक थे। वे भारतीय समाज में प्रचलित जाति पर आधारित विभाजन और भेदभाव के हमेशा विरुद्ध थे। वे कहा करते थे कि परमेश्वर एक है और सभी मानव उसकी संतान हैं।' सितंबर 1873 में जोतिबा फुले ने महाराष्ट्र में अछूतोद्धार सत्यशोधक समाज नामक संस्था का गठन किया था। इसके प्रमुख गोविंद रानाडे और आरजी भंडारकर थे। उनकी उल्लेखनीय समाजसेवाओं एवं संतुलित समाज निर्माण के कार्यों को देखकर 1888 ई. में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें 'महात्मा' की उपाधि दी। महात्मा ज्योतिबा फूले महिलाओं के उत्थान एवं उन्नयन के लिए मसीहा बन कर सामने आये। उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य औरतों को शिक्षा का अधिकार प्रदान करना और बाल विवाह, विधवा विवाह का विरोध करना रहा है। वे कुप्रथा, अंधश्रद्धा एवं आडम्बरों की जाल से समाज को मुक्त करना चाहते थे। यह वह समय था जब स्त्रियों को शिक्षा नहीं दी जाती थी और ऐसे समय में उन्होंने महिला-पुरुष भेदभाव मुक्त समाज की सरंचना की। उन्होंने बालिकाओं के लिए भारत देश की पहली पाठशाला पुणे में बनाई। लड़कियों और दलितों के लिए पहली पाठशाला खोलने का श्रेय ज्योतिबा को दिया जाता है। स्त्रियों की तत्कालीन दयनीय स्थिति से महात्मा फुले बहुत व्याकुल और दुखी थे इसीलिए उन्होंने दृढ़ निश्चय किया कि वे समाज में क्रांतिकारी बदलाव लाकर ही रहेंगे। उन्होंने कहा भी है कि भारत में राष्ट्रीयता की भावना का विकास तब तक नहीं होगा, जब तक खान-पान एवं वैवाहिक सम्बन्धों पर जातीय बंधन बने रहेंगे।' उन्होंने अपनी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले को खुद शिक्षा प्रदान की और सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला अध्यापिका बनी। देश से छुआछूत खत्म करने और समाज को संतुलित करने में महात्मा ज्योतिबा फूल ने अहम किरदार निभाया। उन्होंने ब्राह्मण-पुरोहित के बिना ही विवाह-संस्कार आरम्भ कराया और इसे मुंबई हाईकोर्ट से भी मान्यता मिली। धर्म, समाज और परम्पराओं के सत्य को सामने लाने के लिए अपने जीवन काल में उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखीं, जिनमें प्रमुख हैं-गुलामगिरी, तृतीय रत्न, छत्रपति शिवाजी, राजा भोसला का पखड़ा, किसान का कोड़ा, अछूतों की कैफियत आदि। उनका खुद का जीवन एक सुधारवादी आन्दोलन था, मिशन था। अनेक प्रमुख सुधार आंदोलनों के अतिरिक्त हर क्षेत्र में छोटे-छोटे आंदोलन उन्होंने जारी किये थे जिसने सामाजिक और बौद्धिक स्तर पर लोगों को परतंत्रता से मुक्त किया था। लोगों में नए विचार, नए चिंतन की शुरुआत हुई, जो आजादी की लड़ाई में उनके संबल बने। उन्होंने किसानों और मजदूरों के हकों के लिए भी संगठित प्रयास किया था। उन्होंने समाज को बहुत कुछ दिया। आज उनका संवाद हमारे लिये संदेश बन गया है तो उनके कर्म संतुलित एवं आदर्श समाज निर्माण की दीपशिखा। देखना अब यह है कि हम उनकी स्मृति को सिर्फ स्मारक बनाकर पूजते रहेंगे या उनके जलाये दीयों से रोशनी लेकर दीप बनकर जलेंगे। महात्मा ज्योतिबा और उनके संगठन के संघर्षों एवं लगातार प्रयासों के कारण सरकार ने 'एग्रीकृचर एक्ट' पास किया। 1854 में उन्होंने उच्च वर्ग की विधवाओं के लिए एक विधवाघर भी बनवाया। उन्होंने जनविरोधी सरकारी कानून कायदे के खिलाफ भी संघर्ष किया। ज्योतिबा फुले और सावित्रिबाई को कोई संतान नहीं थी इसलिए उन्होंने एक विधवा के बच्चे को गोद लिया था,जो उनके समाजसेवा के काम

भारत की पहली शिक्षिका सावित्री बाई फुले, जिन्होंने महिलाओं व दलितों के उत्थान में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

भारत के इतिहास में ऐसे कई महिलाएं हैं जिनके द्वारा समाज में ऐसी भूमिकाएं निभाई रही हैं जिसका उल्लेख आज भी किया जाता है। हालांकि, यह बात भी सत्य है कि भारत के इतिहास में महिलाओं को वह प्रधानता नहीं मिली थी जिसकी वह हकदार थीं। लेकिन कुछ महिलाओं ने अपने कर्मों से समाज में अलग पहचान बनाई और आज की पीढ़ी के लिए वह एक प्रेरणा स्रोत हैं। उन्हीं महान महिलाओं में से एक थी सावित्रीबाई फुले। सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं के उत्थान के लिए कई बड़े काम किए थे। उन्हें भारत की पहली महिला शिक्षक के रूप में याद किया जाता है। महज 17 साल की उम्र में उन्होंने पुणे में देश का पहला गर्ल्स स्कूल खोलकर समाज के लिए एक बेहद ही महत्वपूर्ण कार्य किया था। यह उस वक्त की बात है जब भारतीय महिलाओं की स्थिति बड़ी ही दयनीय होती थी। लेकिन सावित्रीबाई फुले समाज सुधारक बनकर महिलाओं के जीवन में उत्थान लगने की कोशिश करती रहीं। उन्होंने समाज में शिक्षा और अवसरों के लिए कई बड़े प्रयास भी किए।

सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को नायगांव में हुआ था। तब या ब्रिटिश भारत का हिस्सा था। अब महाराष्ट्र के सतारा में आता है। सावित्रीबाई फुले की शादी महज 10 वर्ष की उम्र में हो गई थी। सावित्री बाई के पति का नाम ज्योतिबा फुले था। उस वक्त ज्योतिबा फुले की उम्र 13 वर्ष की थी। हालांकि, सावित्रीबाई फुले के नसीब में संतान सुख नहीं था। विवाह के कई सालों तक संतान नहीं होने के बाद उन्होंने एक ब्राह्मण महिला के पुत्र को गोद लिया था। इसका नाम यशवंतराव रखा गया। सावित्रीबाई फुले ने अपने पुत्र यशवंतराव को पढ़ा लिखा कर डॉक्टर बनाया था। सावित्रीबाई फुले समाज में महिलाओं की स्थिति को देखकर काफी निराश होती थीं। वह उनके लिए कुछ करना चाहती थीं। ऐसे में उन्होंने महिलाओं को शिक्षित बनाने के लिए 1948 में एक विद्यालय की शुरुआत की थी जिसमें 9 विद्यार्थी पढ़ते थे। दरअसल, ज्योतिराव फुले ने अपनी पत्नी को घर में ही पढ़ाया। यही कारण था कि सावित्रीबाई फुले को कई विषयों का ज्ञान था। अपने पति के साथ मिलकर सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा और दलित उत्थान को लेकर कई बड़े काम किए। दोनों ने छुआछूत, बाल विवाह, सती प्रथा को रोकने एवं विधवा पुनर्विवाह को प्रारंभ करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य भी किए। महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे करने के लिए सावित्रीबाई ने समाज में कई बड़े संघर्ष किए। हालांकि, वह अपनी इस काम में लगातार लगी रही। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर अट्ठारह स्कूल खोले थे। सावित्रीबाई ने अनेक विरोध सहे लेकिन वह अपने रास्ते से नहीं भटकीं। पूरी निडरता के साथ समाज को कुरीतियों से बाहर निकालने की कोशिश करते रहीं।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

सर्जरी के जादूगर: गुरुनानक मिशन हॉस्पिटल में डॉक्टर अक्षय दीप की नई शुरुआत

बढ़ता राजस्थान

जालन्धर (शिवशंकर)। जालंधर के प्रसिद्ध सर्जन डॉक्टर अक्षय दीप, जिनके हाथों में सर्जरी का जादू है, ने इस हफ्ते गुरु नानक मिशन हॉस्पिटल, जालंधर के सबसे बड़े अस्पताल, में सर्जन के रूप में कार्यभार संभाला है। इससे जालंधर शहर में खुशी की लहर दौड़ गई है। डॉ. अक्षय दीप एक युवा और कुशल सर्जन हैं। इससे पहले वे गरहा रोड पर स्थित पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (PIMS) हॉस्पिटल में सर्जन के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

डॉ. अक्षय के पिता, डॉ. अवतार चंद, जालंधर में सिविल सर्जन के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को सम्मानित करते हुए पंजाब सरकार ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया था।

डॉ. अक्षय न केवल एक कुशल सर्जन हैं, बल्कि दूरबीन सर्जरी (लैप्रोस्कोपी) और बच्चेदानी की सर्जरी में भी महारत रखते हैं। उनकी सर्जिकल विशेषज्ञता ने उन्हें जालंधर और आसपास के क्षेत्रों में एक विश्वसनीय नाम बना दिया है।इसके साथ ही, यह जानकर भी गर्व होता है कि डॉ. अक्षय दीप कनाडा के व्यवसायी और जालंधर के प्रसिद्ध व्यक्ति नरिंदर कौशिक के दामाद हैं। डॉ. अक्षय वर्तमान में गुरु नानक मिशन हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। भविष्य में, उनका सपना है कि वे जालंधर में एक अत्याधुनिक मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्थापित करें, जहां सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हों।उनकी इस नई जिम्मेदारी ने जालंधर के नागरिकों में उत्साह और गर्व का माहौल पैदा किया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पैक्ड फूड पर वार्निंग लेबल दिया जाए

केंद्र 3 महीने के अंदर लेबलिंग का नियम बनाएं; कितना शुगर, हानिकारक फैट स्पष्ट लिखें

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर पैक्ड फूड पर चेतावनी वाली लेबलिंग को लेकर नए नियम बनाए। कोर्ट ने ये आदेश एक पीआईआर पर सुनवाई के दौरान दिया। इसमें मांग की गई थी कि हर पैक्ड खाने की चीज पर फ्रंट पर साफ चेतावनी दी जाए। इससे लोग यह जान सकें कि उस चीज में कितना शुगर, नमक या हानिकारक फैट है। केंद्र ने कहा- एक्सपर्ट कमेटी सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी केंद्र सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि 14 हजार से ज्यादा सुझाव और रिपोर्ट्स इस मुद्दे पर आ चुकी हैं। इसके लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई है जो इन सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी। कोर्ट ने आदेश दिया कि यह समिति जल्दी से जल्दी रिपोर्ट तैयार करे ताकि उसी आधार पर स्वस्थ्य लेबलिंग नियमों में संशोधन किया जा सके।

आईसीएमआर ने चेताया था- पैकेज्ड फूड पर लगे लेबल के दावे भ्रामक हो सकते हैं

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर के तहत हैदराबाद बेस्ड नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (एनआईएन) ने भारतीयों के लिए डाइटरी गाइडलाइन जारी की है। एनआईएन ने कहा, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (स्वस्थ्य) के सख्त मानदंड हैं, लेकिन लेबल पर दी गई जानकारी भ्रामक हो सकती है। कुछ उदाहरण देते हुए एनआईएन ने कहा कि किसी फूड प्रोडक्ट को नेचुरल कहा जा सकता है, यदि इसमें एडेड कलर्स, फ्लेवर्स और आर्टिफिशियल सब्सटेंसेस नहीं मिलाए गए हैं और यह मिनिमल प्रोसेसिंग से गुजरता है।

मुंबई हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा भारत लाया गया

पहली तस्वीर सामने आई; दिल्ली में लैंडिंग के बाद सीधे एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया गया

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के भारत पहुंचने के बाद पहली तस्वीर सामने आई है, जिसमें नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के अधिकारी उसे पकड़े नजर आ रहे हैं। राणा को आज शाम करीब 6.30 बजे अमेरिकी गल्फस्ट्रीम त्न550 विमान से भारत लाया गया। यह विमान दिल्ली के पालम टेक्निकल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां से उसे सीधे एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया गया। राणा को दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। जेल प्रशासन ने इसके लिए जरूरी इंतजाम कर लिए हैं। हालांकि, उसे कब और किस वार्ड में रखा जाएगा, इसका अंतिम फैसला कोर्ट के आदेश के बाद ही लिया जाएगा। जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी रॉ की एक जॉइंट टीम राणा को लेकर बुधवार को अमेरिका से रवाना हुई थी। राणा को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया जा सकता है। पेशी से पहले उसका मेडिकल टेस्ट किया जाएगा। तहव्वुर राणा को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में एफआईबी ने गिरफ्तार किया था। उस पर मुंबई के 26/11 और कोपेनहेगन में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए जरूरी सामान मुहैया कराने का आरोप था। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड रिचर्ड हेडली की गवाही के आधार पर तहव्वुर राणा को 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

अमेरिका बोला- मुंबई हमले को पीड़ितों को न्याय देने की दिशा में जरूरी कदम

अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने कहा कि मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण पीड़ितों को न्याय देने की दिशा में जरूरी कदम है। डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने कहा- राणा का प्रत्यर्पण मुंबई हमलों में मारे गए 6 अमेरिकियों और कई अन्य पीड़ितों को न्याय देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

स्पेशल एनआईए जज चंद्रजीत सिंह अदालत पहुंचे

दयान कृष्णन, नरेंद्र मान और पीयूष सचदेवा के बाद, स्पेशल एनआईए जज चंद्रजीत सिंह तहव्वुर राणा के खिलाफ मामले की सुनवाई के लिए अदालत पहुंच गए हैं।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर एकनाथ शिंदे ने पीएम मोदी को शुक्रिया कहा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ट्वीटर पर लिखा- देश पर सबसे बड़े 26/11के आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को भारत लाया गया। इसके लिए मैं, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करता हूं। लगभग एक महीने पहले मोदी जी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच चर्चा हुई थी।

राणा से पूछताछ करने पर मुंबई हमले में आईएसआई के रोल के बारे में पता चलेगा

केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह ने तहव्वुर राणा को भारत लाने पर कहा कि यह एक बड़ा घटनाक्रम है। इससे आतंकियों को मैसेज गया है कि अगर वे भारत पर हमला करेंगे, तो चाहे वे दुनिया में कहीं भी हों, उन्हें पकड़ा जाएगा, भारतीय अदालतों के सामने पेश किया जाएगा और उन्हें सजा दी जाएगी। उनमें से किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। राणा से पूछताछ करने पर मुंबई हमले में पाकिस्तानी एजेंसी ड्डस्ढ्ढ की भूमिका और भारत में उसके स्लीपर सेल की मौजूदगी के बारे में पता चलेगा।

डोमिनिकन रिपब्लिक के नाइटक्लब हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 184 पहुंचा, इसमें कई मशहूर हस्तियां भी शामिल

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोमिनिकन रिपब्लिक की राजधानी, सेंटो डोमिंगो में एक नाइटक्लब की छत गिरने से मारे गए लोगों का आंकड़ा 184 हो गया है। इस हादसे में इस देश की कई प्रमुख हस्तियों ने अपनी जान गंवा दी है। 48 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है।

7 अप्रैल की रात जेट सेट नाइटक्लब की छत गिरने से ये हादसा हुआ। इस दौरान वहां मशहूर सिंगर रबी पेरेज परफॉर्म कर रहे थे। सोशल मीडिया पर इस हादसे से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें परेज की परफार्मेंस के दौरान पहले छत से धूल गिरने लगी, और फिर अचानक पूरी छत ढह गई।

इस हादसे में सिंगर पेरेज की भी मौत हो गई है। उनका शव शुक्रवार सुबह बरामद हुआ। परेज के साथ सैक्सोफोन बजाने वाले लुइस सोलिस की भी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 54 शवों की पहचान हो पाई है। इसमें मोंटेक्रिस्टी प्रांत की गवर्नर नेल्सी करूज का नाम भी है। नेल्सी करूज सात बार मेजर लीग बेसबॉल ऑल-स्टार रहे नेल्सन करूज की बहन भी हैं। नेल्सी ने हादसे के बाद मलबे में फंसे रहने के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को फोन कर सूचना दी थी। बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई।

इसके अलावा हादसे में बेसबॉल स्टार

ऑक्टेवियो डोटेल की भी मौत हो गई है। डोटेल ने यॉर्क मेट्स और ह्यूस्टन एस्ट्रोस जैसी टीमों के खिलाफ खेला था। हादसे के बाद उन्हें मलबे से जिंदा निकाला गया था। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई है। उनके साथ एक और बेसबॉल खिलाड़ी टोनी एनरिक ब्लैंको कैबरेरा की मौत हो गई।

चीन ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की, कहा- अमेरिका जाने से पहले सोच लें

चीन ने अमेरिका की यात्रा करने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने बुधवार को एक ट्रैवल एजवाइजरी में चीनी नागरिकों से कहा कि वे अमेरिका जाने से पहले वहां के हालात का पूरा आकलन करें। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में सुरक्षा की स्थिति और चीन-अमेरिका के बिगड़ते व्यापारिक रिश्तों के कारण यात्रा जोखिम भरी हो सकती है।

इसके अलावा चीन के शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के लिए एक अलग चेतावनी जारी की है। इसमें छात्रों को अमेरिका जाने से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि उन्हें वहां वीजा, कागजी कार्रवाई, या कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि टैरिफ को लेकर चीन और अमेरिका आमने-सामने आ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने चीन के सामानों पर 125त्न टैरिफ लगा दिया है। वहीं, चीन ने अमेरिका के सामानों पर 84त्न टैरिफ की घोषणा की है।

16 जिलों में बारिश की संभावना

आंधी का अलर्ट; 4 डिग्री तक गिर सकता है पारा, कल की बरसात से मिली राहत

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में तेज गर्मी और लू से कल देर शाम कई शहरों को राहत मिली। बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के जिलों में शाम को कई जगह तेज धूलभरी आंधी चली और बारिश हुई। मौसम के इस बदलाव से चार डिग्री तक तापमान गिरा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान में आज और कल भी पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा। आज 5 जिलों में ऑरेंज और 11 जिलों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

43 डिग्री तक पहुंचा जयपुर का तापमान-राजधानी जयपुर में भी शाम को आंधी चली और कुछ जगहों पर बूंदाबांदी हुई। इससे पहले जयपुर में तेज गर्मी रही और दिन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर, बीकानेर में भी बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। बीकानेर में कल देर शाम को 1एमएम बारिश दर्ज हुई।

औसत से 7 डिग्री ऊपर तापमान-राजस्थान में कल कई शहरों में दिन में तेज गर्मी रही। सीकर, पिलानी, जयपुर, गंगानगर, फलौदी, चूरू, बीकानेर, जैसलमेर समेत कई शहरों में दिन और रात का तापमान औसत से 5 से 7 डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज हुआ। कल अजमेर में रात का टेम्प्रेचर 31.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस, फलौदी में 29.8, बीकानेर में 28 और बाड़मेर में 27.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

7 दिन में ही बैकफुट पर ट्रम्प : 90 दिनों के लिए टैरिफ रोका, चीन पर बढ़ाकर 125 प्रतिशत किया

बढ़ता राजस्थान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 75 से ज्यादा देशों पर जैसे को तैसा यानी कि रेसिप्रोकल टैरिफ 90 दिनों के लिए रोक दिया है। यह उनके फैसले के साथ ही लागू हो गया है। हालांकि, उन्होंने चीन को इस छूट में शामिल नहीं किया है, बल्कि उस पर लगे टैरिफ को 104% से बढ़ाकर 125% कर दिया है। ट्रम्प ने यह कार्रवाई चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी 84% टैरिफ के बाद की। चीन पर 125% टैरिफ लगाने का आसान भाषा में मतलब है कि चीन में बना 100 डॉलर का सामान अब अमेरिका में जाकर 225 डॉलर का हो जाएगा। अमेरिका में चीनी सामानों के मंहगे होने से उसकी बिक्री कम हो जाएगी। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि चीन ने ग्लोबल मार्केट के लिए सम्मान नहीं दिखाया है। इसी वजह से मैं उस टैरिफ बढ़ाकर 125% कर रहा हूं। उम्मीद है कि चीन जल्द यह समझेगा कि अमेरिका और दूसरे देशों को लूटने के दिन चले गए हैं।

जो देश डील करेंगे, उनके लिए टैरिफ 10% रहेगा ट्रम्प ने कहा कि 75 से ज्यादा देशों ने अमेरिका के प्रतिनिधियों को बुलाया है और इन देशों ने मेरे मजबूत सुझाव पर अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह से जवाबी कार्रवाई

नहीं की है। इसलिए मैंने 90 दिन के विराम (पॉज) को स्वीकार किया है। टैरिफ पर इस रोक से नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने का समय मिलेगा। वहीं, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत करने के इच्छुक देशों के लिए यह दर घटकर 10% हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कनाडा और मेक्सिको के कुछ सामानों पर 25% टैरिफ लगता था। अब उन्हें भी बेसलाइन टैरिफ में शामिल कर लिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि यूरोपीय यूनियन इस बेसलाइन टैरिफ में शामिल है या नहीं।

मंदी, महंगाई का खतरा था, ट्रम्प के करीबी भी टैरिफ के खिलाफ थे

1. **ट्रम्प** टैरिफ के चलते अमेरिका समेत ग्लोबल मार्केट में 10 लाख करोड़ डॉलर की गिरावट आई थी। हालांकि, टैरिफ रोकने के फैसले के कुछ घंटों के अंदर ही अमेरिकी शेयर बाजार की वैल्यू 3.1 लाख करोड़ डॉलर बढ़ गई।

2. **ट्रम्प** के कई करीबी सलाहकारों और खुद इलॉन मस्क भी टैरिफ वॉर रोकने की सलाह दे चुके थे। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेता भी टैरिफ के खिलाफ थे। मिच मैककोनल, रैंड पॉल, सुसन कोलिन्स व लिसा मुर्कोव्स्की ने टैरिफ को 'असंवैधानिक, अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक और कूटनीतिक रूप से खतरनाक' बताया था।

3. **टैरिफ** के चलते अप्रत्याशित तौर पर अमेरिकी बॉन्ड्स की बिकवाली शुरू हो गई थी। क्रूड की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, यह कोरोना काल जैसी स्थिति बन रही थी।

4. **वॉल** स्ट्रीट के बैंकों ने टैरिफ के चलते अमेरिका में महंगाई, बेरोजगारी बढ़ने और मंदी आने की चेतावनी दी थी।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

सशस्त्र बलों को आज के लगातार विकसित हो रहे बहु-क्षेत्रीय वातावरण में संयुक्त रूप से काम करना चाहिए और भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए : राजनाथ

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 10 अप्रैल, 2025 को तमिलनाडु के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेस स्टॉफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स के दीक्षांत समारोह के दौरान भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बल अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, सशस्त्र बलों को संयुक्त रूप से काम करना चाहिए और आज के लगातार विकसित हो रहे बहु-क्षेत्रीय वातावरण में भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए, जहां साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध आदि पारंपरिक अभियानों की तरह ही शक्तिशाली हैं।

रक्षा मंत्री ने बताया कि आज की वैश्विक भू-राजनीति तीन प्रमुख मानदंडों द्वारा पुनर्परिभाषित की जा रही है- राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देने की दिशा में एक प्रमुख धुरी, वैश्विक परिदृश्य में व्याप्त तकनीकी सुनामी और नवाचार में तेजी। उन्होंने अधिकारियों से रणनीतिक-सैन्य परिवर्तन मोड पर आगे रहने के लिए इन प्रवृत्तियों की बारीकियों का गहराई से अध्ययन करने का आग्रह किया, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सशस्त्र बलों को बहु-क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम तकनीकी रूप

से उन्नत युद्ध-तैयार बल में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। राजनाथ सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई तकनीकें महत्वपूर्ण तरीकों से प्रतिरोध और युद्ध-लड़ाई में क्रांति ला रही हैं, उन्होंने युद्ध के मैदानों में तकनीकी नवाचार की शक्ति को विस्मयकारी बताया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय मो.नं. 9414823448 प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन नं.0141-2796794,2796795,
E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)